



# एसआईआर पर झूठ का पर्दाफाश होने के बाद भी विपक्ष फैला रहा भ्रम: जे. पी. नड्डा

नयी दिल्ली, 28 सितम्बर। केन्द्रीय मंत्री जे. पी. नड्डा ने सोमवार को कहा कि मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर कांग्रेस और उसके सहयोगियों के झूठ का निर्वाचन आयोग के सदस्यों द्वारा पर्दाफाश किए जाने के बावजूद विपक्षी दल देश का माहौल खराब करने की कोशिश कर रहे हैं। नड्डा ने यहां पत्रकारों से कहा कि देश की प्रगति से हताश और निराश विपक्षी ईडी गठबंधन (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस) भ्रम और अराजकता फैलाने के नए तरीके तलाश रहा है। भाजपा के नेता इंडिया गठबंधन को ईडी गठबंधन कह कर संबोधित करते हैं।

केन्द्रीय मंत्री ने कहा, हम सभी ने देखा कि कुछ ही दिन पहले एक मनगढ़ंत कहानी को लेकर पूरे देश में

किस तरह हंगामा किया गया। अब जब निर्वाचन आयोग के सदस्यों ने हर झूठ का पर्दाफाश कर दिया है तो वे (विपक्षी दल) एक बार फिर माहौल खराब करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि यह वही टूलकिट वाली मानसिकता (तयशुदा रणनीति के तहत काम करने की सोच) है जो देश के विकास को रोकने के लिए हर सुबह एक नयी साजिश रचती है। नड्डा ने कहा, आरोप लगाओ, देश का माहौल खराब करो और फिर भाग जाओ-यह विपक्ष के काम करने का तरीका बन गया है। उन्होंने कहा, कोई ठोस नीति या दूरदृष्टि नहीं होने के कारण वे अब पूरे देश में भ्रम और अराजकता फैलाने के नए तरीके तलाश रहे हैं। इंडियन एक्सप्रेस ने 25 सितंबर को खबर दी थी कि निर्वाचन आयोग के भीतर कार्य आवंटन से



संबंधित एक आदेश जारी होने के बाद निर्वाचन आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने कैबिनेट सचिव टी. वी. सोमनाथन को अलग-अलग पत्र लिखे थे।

खबर के अनुसार, इस आदेश से राज्य स्तर के अधिकारियों के बजाय मतदाता सूची में नाम जोड़ने या हटाने और रिकॉर्ड अपडेट करने की शक्तियां केन्द्रीय स्तर पर आयोग में केंद्रित होने

की आशंका जताई गई थी। नड्डा ने आरोप लगाया कि देश की स्वायत्त एवं संवैधानिक संस्थाओं को बदनाम और कमजोर करना कांग्रेस नेता राहुल गांधी, आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल, समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव और पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का एकमात्र एजेंडा बन गया है। भाजपा नेता ने

कहा, उन्हें न राष्ट्रीय सुरक्षा की चिंता है, न जनकल्याण की और न ही देश के सम्मान एवं गरिमा की। उनका एकमात्र मकसद सत्ता हासिल करना है और वह भी जनसेवा के लिए नहीं, बल्कि वंशवादी राजनीति को बढ़ावा देने और निजी लाभ उठाने के लिए। उन्होंने कहा, राहुल गांधी जी, ध्यान से सुनिए: किसी झूठ को सौ बार दोहराने से वह सच नहीं हो जाता। नड्डा ने कहा कि देश की जनता विपक्ष के दोहरे मापदंड और उसकी नकारात्मक राजनीति को पूरी तरह समझ चुकी है। उन्होंने कहा, देश में अस्थिरता पैदा करने की कोशिश करने वाली ताकतों को जनता ने पहले भी करारा सबक सिखाया है और वह भविष्य में भी ऐसा ही करेगी। नड्डा ने कहा कि भाजपा के लिए सत्ता ऐशो-आराम का साधन नहीं है।

## सीबीएसई तीन भाषा नीति पर सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला: वलास 6 के बच्चों को राहत, नहीं देनी होगी बोर्ड परीक्षा

नई दिल्ली, 28 सितम्बर। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को केंद्र और सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन (CBSE) से कहा कि वे क्लास 7 के छात्रों को तीन-भाषा वाले फ्रेमवर्क से जो छूट दी गई है, उसे मौजूदा क्लास 6 के छात्रों तक भी बढ़ाने पर विचार करें।

चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची और वी मोहना की बेंच ने केंद्र और उद्घरण की ओर से पेश सॉलिडिटर जनरल तुषार मेहता और एडिशनल सॉलिडिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने कहा कि वे इस साल क्लास 6 के छात्रों को भी वही छूट दें जो क्लास 7, 8, और 9 के छात्रों को दी गई है।

बेंच ने अपने आदेश में कहा, 'सॉलिडिटर जनरल ने बताया है कि लगभग 99 प्रतिशत स्कूलों ने तीसरी भाषा नीति को अपना लिया है और



उन्हें जरूरी सुविधाएं दी गई हैं, और केवल लगभग 1.2 प्रतिशत स्कूलों ने ऐसा नहीं किया है। इसे देखते हुए, हम निर्देश देते हैं कि क्लास 6 के छात्रों को भी, क्लास 7 के छात्रों की तरह, वही छूट दी जाए जो क्लास 7 के छात्रों को दी गई है।'कोर्ट ने याचिकाओं पर सुनवाई के लिए छह हफ्ते बाद की तारीख तय की और CBSE से कहा कि वह चार हफ्ते के भीतर अपना जवाब दाखिल करे और जवाब दाखिल होने के दो हफ्ते के भीतर कोई जवाबी दलील हो तो

वह भी दाखिल करे। राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 और राष्ट्रीय पाठ्यक्रम ढांचा, 2023 के तहत छात्रों को तीन भाषाएं पढ़नी होंगी, जिनमें कम-से-कम दो भारतीय भाषाएं होनी चाहिए। सीबीएसई ने हिंदी, संस्कृत, तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम, मराठी, बांग्ला, पंजाबी, गुजराती, ओडिया और असमिया जैसी भाषाओं को भारतीय भाषाओं की सूची में रखा है। अंग्रेजी, फ्रेंच, जर्मन, अरबी और स्पैनिश को गैर-भारतीय भाषाओं की श्रेणी में रखा गया है।

लखनऊ, 28 सितम्बर। उत्तर प्रदेश में पिछले कई दिनों से लगातार हो रही भारी बारिश ने पूरे प्रदेश में तबाही का मंजर पैदा कर दिया है। तेज बारिश, आंधी और बाढ़ के कारण जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है। अलग-अलग घटनाओं में 60 से ज्यादा लोगों की मौत की खबर सामने आ रही है, जबकि दर्जनों लोग घायल हुए हैं। एक हजार से अधिक मकानों के क्षतिग्रस्त होने और हजारों परिवारों के प्रभावित होने की सूचना है। कई जिलों में सड़कें, गलियां और गांव पानी में डूब गए हैं, जबकि नदियों का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। राज्य के राहत आयुक्त कार्यालय के शुरूआती आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, अतिवृष्टि और आंधी-तूफान से 56 लोगों की मौत, 46

लोगों के घायल होने, 107 पशुओं की मौत और 1,021 मकानों के क्षतिग्रस्त होने की सूचना थी। बाद के अपडेट में मृतकों की संख्या 62 तक पहुंचने की खबर सामने आई। ऐसे में बारिश और बाढ़ से जुड़ी घटनाओं में मृतकों की संख्या 60 के पार पहुंच चुकी है।

हम आपको बता दें कि प्रदेश के 75 जिलों में से 56 जिलों में सामान्य से अत्यधिक बारिश दर्ज की गई। महज 1.8 मिलीमीटर की सामान्य दैनिक बारिश के मुकाबले 24 घंटे में प्रदेश में 45.1 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। पिछले 60 घंटों में बारिश सामान्य से लगभग 775 प्रतिशत अधिक रही। फरुखाबाद में सामान्य से 7,385 प्रतिशत, कन्नौज में 5,664 प्रतिशत, शाहजहांपुर में 4,408 प्रतिशत, हमीरपुर में



4,240 प्रतिशत और महोबा में 4,100 प्रतिशत अधिक बारिश दर्ज की गई।

हम आपको बता दें कि कानपुर, प्रयागराज, वाराणसी, गोरखपुर, बरेली, बांदा, औरैया, महोबा, फरुखाबाद, बाराबंकी, कुशीनगर और कई अन्य जिलों में हालात बेहद खराब हैं। कानपुर में कच्चे मकानों

के गिरने और नदी-नालों में डूबने की घटनाएं सामने आई हैं। कानपुर देहात, बांदा, औरैया, महोबा और फरुखाबाद में मां-बेटी समेत कई लोगों की मौत हुई है। तेज हवा ने पेड़ और बिजली के खंभे गिरा दिए हैं। कई इलाकों में बिजली आपूर्ति और आवागमन प्रभावित हुआ है।

बाराबंकी के रामनगर क्षेत्र में

सरयू नदी के कटान की चपेट में आकर एक मस्जिद नदी में समा गई। नेपाल के बैराजों से पानी छोड़े जाने के बाद इलाके में कटान और बाढ़ का भय फैल गया है। मंदिर, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और पशु अस्पताल पर भी खतरा मंडरा रहा है। कुशीनगर में नेपाल से पानी छोड़े जाने के बाद गंडक यानी नारायणी नदी उफान पर है।

प्रयागराज और आसपास के इलाकों में लगातार बारिश के कारण मध्य प्रदेश से आने वाली नदियों का जलस्तर बढ़ गया है। केन नदी में तेजी से वृद्धि हुई है, जबकि बेतवा और टोंस नदियां का जलस्तर भी बढ़ा है। इसका असर यमुना पर भी पड़ रहा है। हमीरपुर में मौहदा बांध का जलस्तर बढ़ने के बाद पानी छोड़ा गया है।

## बंगाल के युवा नौकरी मांगने वाले नहीं, देने वाले हैं: नितिन नवीन

कोलकाता। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने सोमवार को पश्चिम बंगाल में युवा नीति और खेलों पर ज्यादा ध्यान देने की बात कही। उन्होंने कहा कि खेल, कला, साहित्य और संस्कृति के क्षेत्र में राज्य की समृद्ध विरासत वहां के युवाओं में नई उम्मीद जगाने में मदद कर सकती है। पश्चिम बंगाल के अपने दो दिन के दौरे के दौरान कोलकाता में 'युवा संवाद कॉन्क्लेव' को संबोधित करते हुए नवीन ने कहा कि राज्य डर के माहौल से निकलकर भरोसे के माहौल में आ गया है और उन्होंने भरोसा जताया कि यह राज्य एक बार फिर अपनी खेल विरासत पर खरा उतरगा।



नितिन नवीन ने कहा कि आपने पश्चिम बंगाल को डर के माहौल से बाहर निकालकर भरोसे का जो माहौल बनाया है, उसे देखते हुए मुझे पूरा भरोसा है कि राज्य एक बार फिर अपनी शानदार खेल विरासत को

## दिल्ली में प्रदूषण पर सख्ती: सर्दियों में निर्माण कार्य और गैर-बीएस-6 वाहनों पर रोक, पीयूसी अनिवार्य

नई दिल्ली, 28 सितम्बर। राष्ट्रीय राजधानी में सर्दियों के दौरान वायु प्रदूषण से निपटने के लिए दिल्ली सरकार ने निर्माण गतिविधियों पर रोक, वाहनों और निजी परिवहन पर प्रतिबंध, वाहनों में ईंधन लेने के लिए प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र (पीयूसी) अनिवार्य करने तथा दफ्तरों में कामकाज के समय में बदलाव करने का निर्णय लिया है।



दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने सोमवार को घोषणा

की कि धूल उत्सर्जित करने वाले तोड़फोड़ कार्य और खुले में होने वाले आम निर्माण कार्यों पर एक नवंबर से 31 जनवरी तक रोक रहेगी। वहीं, 10 दिसंबर से 20 जनवरी तक सभी प्रकार के निर्माण और तोड़फोड़ के कार्यों पर पूरी तरह प्रतिबंध लागू रहेगा। पर्यावरण मंत्री ने बताया कि एक नवंबर से पार्किंग शुल्क दोगुना कर दिया जाएगा।

इसके अलावा, सरकारी व निजी दफ्तरों के लिए अलग-अलग समय/पाली निर्धारित की जाएगी और 50 प्रतिशत कर्मचारियों के लिए घर से काम का नियम लागू किया जाएगा। सिरसा ने कहा कि दिल्ली के बाहर पंजीकृत बीएस-छह मानकों से नीचे वाली श्रेणी के वाहनों के शहर में प्रवेश पर एक नवंबर से पूर्ण प्रतिबंध रहेगा हालांकि,

इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) से कोई अतिरिक्त पार्किंग शुल्क नहीं लिया जाएगा। इन उपायों की घोषणा केन्द्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव की अध्यक्षता में हुई कार्रवाई-आधारित योजना बैठक के बाद की गई। इस बैठक में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) मंत्री प्रवेश वर्मा और पर्यावरण मंत्री सिरसा शामिल हुए

**TIWARI'S SARASWATI CLASSES**  
— Since 1992 —  
*Parents' First Choice for 34+ Years*  
**Prof. Dr. Dayanand Tiwari**  
Founder & Academic Director  
**ADMISSIONS OPEN**  
9th | 10th | 11th | 12th **SCIENCE**  
**NEET | JEE | MHT-CET**  
**10 DAYS FREE DEMO**  
Attend Classes • Experience Our Teaching  
Take Admission After Satisfaction  
(No Hidden Conditions)  
✓ 34+ Years of Academic Excellence  
✓ Experienced & Dedicated Faculty  
✓ Personal Attention  
✓ Printed Notes & Regular Tests  
✓ Strong Foundation for Boards & Competitive Exams  
♥ Santacruz Branch  
101 Sai Chambers,  
Opp. Santacruz Railway Station (East),  
Near Depot, Santacruz (E), Mumbai 400055  
♥ Sion Branch  
Opp. SIES College (Old),  
Near Gुरुक्रपा Hotel,  
Sion (West), Mumbai  
— Limited Seats / Small Batch Size —  
**CALL NOW:**  
**7738007373**

**DAKS REHAB CENTRE**  
(PARALYSIS PHYSIOTHERAPY CENTER AND OLD AGE HOME)  
**Contact us: 9820519851**  
विल्डिंग नंबर 3, फ्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीवी नगर मुंबई-37  
\* **Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre**  
\* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनों के ठहरने कि व्यवस्था  
\* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध  
\* **DM/HT/THYROID** इन सब से कैसे बचें  
\* **NGO** में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना  
\* चिकिस्ता उपकरणों को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध  
\* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध  
\* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर  
\* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक  
\* विशेषज्ञ डॉक्टरों से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध  
\* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तियों, परिवारों और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकिस्ता सुविधा उपलब्ध

**NEW LIGHT CLASSES**  
TRADITION OF EXCELLENCE  
2nd Floor, Sheetal Bldg.  
Near Diamond Talkies,  
L. T. Road, Borivali (West)  
Mumbai - 400 092  
Maharashtra  
**ADMISSIONS OPEN**  
ALL OVER INDIA  
**ENROLL NOW**  
**SMART CLASSROOM**  
(ONLINE/OFFLINE)  
**Courses Offered**  
● Std. XI & XII (Sci.) ● MHT-CET  
● NEET ● Polytechnic & Engg  
● JEE ● Physics and Maths (ICSE, CBSE, ISC)  
M: 9833240148 | E: edu@newlightclasses.com | W: www.newlightclasses.com

## पाकिस्तान के बेतूके सवाल: भारत कै सटीक जबाव

संयुक्त राष्ट्र महासभा के 81वें अधिवेशन में भारत और पाकिस्तान के बीच एक बार फिर वही पुराने सवाल सामने आए, जिनका समाधान दक्षिण एशिया की शांति और स्थिरता के लिए अत्यंत आवश्यक है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार 81वां अधिवेशन 8 सितंबर 2026 से शुरू हुआ और इसकी सामान्य बहस 22 से 26 सितंबर के बीच हुई। इस वर्ष की बहस का घोषित केंद्रीय विषय था-विश्वास बहाल करना, परिवर्तन का प्रबंधन करना और ऐसी संयुक्त राष्ट्र व्यवस्था बनाना जो सभी के लिए प्रभावी हो। ऐसे समय में जब दुनिया युद्धों, आतंकवाद, आर्थिक असमानता, ऊर्जा संकट और भू-राजनीतिक तनाव से जूझ रही है, यह सवाल और महत्वपूर्ण हो जाता है कि दक्षिण एशिया कब पुराने विवादों के चक्र से बाहर निकलेगी।

भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने 26 सितंबर को महासभा में सटीक, तीक्ष्ण एवं प्रभावी वक्तव्य में पाकिस्तान का नाम लिए बिना कहा कि एक सीरियल प्रैक्तिशनर ऑफ टेररिज्म ने एक दिन पहले तथ्यों को गलत ढंग से प्रस्तुत किया और आतंकवाद को सामान्य तनाव तथा उसके परिणामों से बचने का प्रयास किया, जिसे स्वीकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने यह भी कहा कि भारत आतंकवाद के विरुद्ध आत्मरक्षा के अपने अधिकार का प्रयोग करेगा और आतंकवाद को प्रायोजित करने वाली सरकारों को जवाबदेह बनाया जाना चाहिए। उन्होंने आतंकवाद के वित्तीय स्रोतों को उजागर करने और उन पर कार्रवाई को आवश्यकता भी रेखांकित किया। इसके एक दिन पहले पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने अपने संबोधन में कश्मीर का मुद्दा उठाया और भारत द्वारा सिंधु जल संधि को रोकने के निर्णय की आलोचना की। पाकिस्तान ने इसे अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपने

दृष्टिकोण से प्रस्तुत किया, जबकि भारत की ओर से पाकिस्तान के सीमा-पार आतंकवाद संबंधी रुख पर सवाल उठाए गए। पाकिस्तान की प्रतिनिधि ने भी भारत पर आतंकवाद और कश्मीर को लेकर गंभीर आरोप लगाए। इस प्रकार संयुक्त राष्ट्र का मंच एक बार फिर दोनों देशों के पारस्परिक आरोप-प्रत्यारोप का साक्षी बना। लेकिन असली प्रश्न यह है कि इन आरोपों के बाद भी समाधान की दिशा में कितना रास्ता तय हुआ?

पाकिस्तान के सामने सबसे बड़ा प्रश्न आतंकवाद को लेकर उसकी नीति का है। भारत लगातार यह आरोप लगाता रहा है कि पाकिस्तान की धरती से या उसके संरक्षण में सक्रिय आतंकी नेटवर्क भारत की सुरक्षा के लिए चुनौती पैदा करते हैं। जयशंकर ने इसी संदर्भ में कहा कि आतंकवाद और मित्रता साथ-साथ नहीं चल सकते और आतंकवाद के कर्ता को अपना रास्ता बदलना होगा। दूसरी ओर पाकिस्तान भारत पर भी आतंकवाद को समर्थन देने के आरोप लगाता है और अपने यहां होने वाली हिंसक घटनाओं के लिए भारत को जिम्मेदार ठहराता है। इन परस्पर आरोपों की सच्चाई और प्रमाण अलग-अलग मामलों में जांच का विषय हो सकते हैं, लेकिन इतना निर्विवाद है कि पाक आतंकवाद को पोषित कर भारत की शांति का भंग करता रहा है, इन आतंकी घटनाओं ने दोनों देशों की जनता को भारी मानवीय, आर्थिक और सामाजिक कीमत चुकाने पर मजबूर किया है। तो फिर सवाल उठता है-पाकिस्तान आखिर कब यह स्वीकार करेगा कि आतंकवाद किसी भी राष्ट्र की स्थायी विदेश नीति नहीं बन सकता? आतंकवाद यदि किसी देश के लिए रणनीतिक साधन बनता है तो अंततः वही साधन उस देश की आंतरिक सुरक्षा, अर्थव्यवस्था और अंतरराष्ट्रीय विश्वसनीयता के लिए भी समस्या बन सकता है। पाकिस्तान स्वयं लंबे समय से आतंकवादी हिंसा से जूझ रहा है। ऐसे में उसके सामने यह ऐतिहासिक अवसर है कि वह आतंकवाद के प्रश्न को केवल भारत-विरोधी दृष्टिकोण से न देखकर अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा और भविष्य के संदर्भ में भी देखे। आतंकवाद के विरुद्ध कार्रवाई केवल किसी दूसरे देश की मांग पूरी करने के लिए नहीं, बल्कि पाकिस्तान के अपने नागरिकों की सुरक्षा के लिए भी आवश्यक है।

दूसरा प्रश्न कश्मीर का है। पाकिस्तान ने इस बार भी संयुक्त राष्ट्र महासभा में कश्मीर का मुद्दा उठाया। लेकिन लगभग आठ दशक से चली आ रही इस बहस ने यह साबित कर दिया है कि केवल अंतरराष्ट्रीय मंचों पर बयान देने से समस्या का समाधान नहीं होता। कश्मीर के नाम पर भारत और पाकिस्तान के बीच अविश्वास बढ़ता है, सुरक्षा तनाव पैदा होता है और दोनों देशों की विकास प्रथमिकताएं प्रभावित होती हैं। यदि पाकिस्तान वास्तव में क्षेत्रीय शांति और स्थिरता चाहता है, तो उसे यह विचार करना होगा कि कश्मीर को अपनी विदेश नीति के स्थायी केंद्र में रखकर वह अपने नागरिकों के भविष्य के लिए क्या हासिल कर रहा है। हर अंतरराष्ट्रीय मंच पर कश्मीर का उल्लेख करना और घरेलू समस्याओं को पीछे छोड़ देना किसी भी देश के लिए दीर्घकालिक समाधान नहीं हो सकता। तीसरा और शायद सबसे गंभीर प्रश्न पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था और वहां के आम नागरिक की जिंदगी का है। महंगाई, रोजगार, ऊर्जा, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दे किसी भी सरकार के लिए मूलभूत जिम्मेदारियां हैं। विदेश नीति तभी सार्थक होती है जब उसका अंतिम उद्देश्य देश के नागरिकों के जीवन को सुस्थित, समृद्ध और सम्मानजनक बनाना हो। पाकिस्तान के लिए यह समय इस बात पर गंभीरता से विचार करने का है कि अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत के खिलाफ राजनीतिक और कूटनीतिक अभियान चलाने की तुलना में उसकी जनता की आर्थिक आवश्यकताओं, संस्थागत स्थिरता और मानव विकास पर अधिक ऊर्जा लगाना कितना आवश्यक है।

यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि भारत-पाक संबंधों को केवल आरोप-प्रत्यारोप के चरमे से न देखा जाए। भारत की अपनी सुरक्षा चिंताएं वास्तविक हैं और किसी भी सरकार की पहली जिम्मेदारी अपने नागरिकों की सुरक्षा करना है। जयशंकर ने भी संयुक्त राष्ट्र में भारत के आत्मरक्षा के अधिकार और आतंकवाद के विरुद्ध शून्य-सहिष्णुता की बात कही। लेकिन इसी के साथ क्षेत्रीय शांति के लिए यह भी आवश्यक है कि आतंकवाद के विरुद्ध दृढ़ता और संवाद की संभावनाओं के बीच संतुलन खोजा जाए। संवाद तभी सार्थक हो सकता है जब हिंसा और आतंकवाद के प्रश्न पर स्पष्टता हो। पाकिस्तान को यह भी समझना होगा कि दुनिया आज केवल बयान नहीं सुनती, बल्कि नीतियों और व्यवहार को भी देखती है। संयुक्त राष्ट्र महासभा का मूल उद्देश्य ही बहुपक्षीय संवाद, शांति और सहयोग के लिए मंच उपलब्ध कराना है। यदि इस मंच का इस्तेमाल एक-दूसरे के विरुद्ध आरोपों को दोहराने में ही होता रहे, तो दोनों देशों के नागरिकों को उससे क्या हासिल होगा? भारत और पाकिस्तान दोनों परमाणु शक्ति संपन्न पड़ोसी हैं। इसलिए इनके बीच तनाव केवल द्विपक्षीय समस्या नहीं रहता, उसका प्रभाव पूरे दक्षिण एशिया की सुरक्षा और वैश्विक स्थिरता पर पड़ सकता है।

आज पाकिस्तान के सामने सबसे बड़ा आत्मसंथन यही होना चाहिए कि वह अपने भविष्य को किस आधार पर निर्मित करना चाहता है-पुराने विवादों, कश्मीर-केन्द्रित राजनीति और आतंकवाद के आरोपों के आधार पर या आर्थिक विकास, शिक्षा, रोजगार, संस्थागत मजबूती और क्षेत्रीय सहयोग के आधार पर? भारत के सामने भी चुनौती यही है कि सुरक्षा से समझौता किए बिना दक्षिण एशिया में स्थायी शांति की संभावनाओं को खुला रखा जाए। पाकिस्तान कब बदलेगा, इसका उत्तर कहीं दूसरा देश नहीं दे सकता। परिवर्तन अंततः पाकिस्तान की अपनी राजनीतिक इच्छाशक्ति, संस्थागत निर्णयों और नीति-निर्माताओं पर निर्भर करेगा। लेकिन दिशा स्पष्ट है-आतंकवाद को किसी भी रूप में राजनीतिक साधन न बने देना, अपनी जनता की आर्थिक जरूरतों को प्राथमिकता देना, कश्मीर के नाम पर लगातार टकराव की नीति से आगे बढ़ना और पड़ोसियों के साथ संबंधों को हिंसा के बजाय विश्वास तथा पारस्परिक सम्मान के आधार पर विकसित करना। यदि पाकिस्तान यह रास्ता चुनता है तो उसका लाभ केवल भारत को नहीं, स्वयं पाकिस्तान के नागरिकों और पूरे दक्षिण एशिया को मिलेगा। और यदि वह पुराने रास्ते पर ही चलता रहा, तो इससे बड़ा प्रश्न दुनिया से अधिक उसके अपने नागरिकों के सामने खड़ा होगा-आखिर कब तक अतीत की राजनीति भविष्य की पीढ़ियों का वर्तमान तय करती रहेगी?



अशोक भाटिया

वैश्विक भू-राजनीति में स्थायी शत्रु या स्थायी मित्र नहीं होते, बल्कि स्थायी केवल राष्ट्रहित होते हैं। भारत और कनाडा के संबंधों का हालिया इतिहास इस सदाबहार कूटनीतिक सिद्धांत का सबसे सटीक उदाहरण बनकर उभरा है। पिछले दो वर्षों के अभूतपूर्व कूटनीतिक तनाव, आरोपों-प्रत्यारोपों के दौर और दोनों पक्षों द्वारा दूतावासों के कर्मचारियों की गई कड़ती के बाद, आखिरकार नई दिल्ली और ओटावा ने पुरानी कड़वाहट को पीछे छोड़ते हुए एक व्यावहारिक और दूरदर्शी दृष्टिकोण अपनाया है। संयुक्त राष्ट्र महासभा के ८१वें सत्र के इतर भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर और कनाडा की नवनियुक्त विदेश मंत्री अनीता आनंद के बीच न्यूयॉर्क में हुई द्विपक्षीय वार्ता महज एक औपचारिक मुलाकात नहीं थी, बल्कि यह दोनों देशों द्वारा अपने रिश्तों को एक 'नई ऊंचाई' पर ले जाने की साझा प्रतिबद्धता का शंखनाद है।

यह कूटनीतिक पुनरुद्धार इस बात का प्रमाण है कि आर्थिक व्यावहारिक और रणनीतिक हित अंततः राजनीतिक मतभेदों पर हावी हो जाते हैं। कनाडा में मार्च २०२५ में प्रधानमंत्री मार्क कार्नो के सत्ता संभालने के बाद से दोनों पक्षों के बीच संबंधों को क्रमिक रूप से

सामान्य बनाने की प्रक्रिया शुरू हुई। इस बैठक के बाद कनाडाई प्रधानमंत्री मार्क कार्नो ने स्पष्ट किया है कि भारत के साथ संबंध कई स्तरों पर-जनसंख्या, सुरक्षा और व्यापार-अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। दोनों लोकतंत्रों ने यह समझ लिया है कि समकालीन वैश्विक परिदृश्य में एक-दूसरे से दूरी बनाए रखना दोनों के लिए ही नुकसानदेह साबित हो रहा था।

वर्तमान सुधार को समझने के लिए भारत-कनाडा संबंधों के उस स्वर्ण काल को याद करना आवश्यक है, जिसने इस साझेदारी की मजबूत बुनियाद रखी थी। जयशंकर और आनंद की वर्तमान वार्ता और आगामी कूटनीतिक रूपरेखा की रीढ़ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अप्रैल २०१५ की ऐतिहासिक कनाडा यात्रा है। वह यात्रा किसी आधुनिक प्रधानमंत्री द्वारा ३३ वर्षों के लंबे अंतराल के बाद की गई पहली स्टैंडअलोन आधिकारिक कनाडाई यात्रा थी।२०१५ में प्रधानमंत्री मोदी के उस दौर ने दोनों देशों के रिश्तों को 'रणनीतिक साझेदारी' के स्तर पर उन्नत किया था। उस दौरान भारत और कनाडा के बीच असैन्य परमाणु ऊर्जा सहयोग को लेकर एक बड़ा समझौता हुआ था, जिसके तहत कनाडा की कंपनी केमेको ने भारत को यूरैनियम की दीर्घकालिक आपूर्ति का जिम्मा लिया था। इसके अलावा, निवेश प्रोत्साहन, विमानन और अंतरिक्ष क्षेत्र में तकनीकी आदान-प्रदान के कई ऐतिहासिक समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए थे। उस यात्रा ने न केवल दोनों देशों के आर्थिक संबंधों को एक नई दिशा दी थी, बल्कि दोनों में रह रहे विशाल भारतीय प्रवासियों के बीच भारत की साख को एक नया मुकाम दिया था। आज

जब २०२६ में दोनों देश अपने संबंधों को एक पायदान और ऊपर ले जाने की बात कर रहे हैं, तो उसकी रूपरेखा उसी २०१५ के मजबूत आर्थिक और रणनीतिक ढांचे पर टिकी हुई है। दोनों देशों के बीच इस रणनीतिक बदलाव का सबसे मजबूत स्तंभ आर्थिक मोर्चे पर दिखाई दे रहा है। भारत और कनाडा के बीच प्रस्तावित व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते पर बातचीत को फिर से तेज कर दिया गया है। आधिकारियों के अनुसार, इस साल दिसंबर २०२६ तक व्यापार वार्ता को पूरी तरह से संपन्न करने का लक्ष्य रखा गया है। यह समझौता दोनों देशों के वाणिज्यिक परिदृश्य



को पूरी तरह से बदल कर रख देगा। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल द्वारा मई २०२६ में कनाडा का किया गया हालिया व्यापार दौरा, जिसमें १२० से अधिक भारतीय कंपनियों का प्रतिनिधिमंडल शामिल था, यह दशाता है कि भारत इस आर्थिक साझेदारी को लेकर कितना गंभीर है। दोनों देशों ने मिलकर वर्ष 2030 तक आपसी द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना से अधिक कर ७० अरब कनाडाई डॉलर (लगभग ५० अरब अमेरिकी डॉलर) तक पहुंचाने का एक अत्यंत महत्वाकांक्षी साझा लक्ष्य निर्धारित किया है। यह लक्ष्य केवल वस्तुओं के व्यापार तक सीमित नहीं है, बल्कि असें डिजिटल व्यापार, कृषि-खाद्य, वित्तीय सेवाएं और उन्नत विनिर्माण जैसे उच्च मूल्य वाले क्षेत्र शामिल हैं। कनाडाई पेंशन फंड पहले से ही भारतीय बुनियादी ढांचे (इन्फ्रास्ट्रक्चर) में अरबों डॉलर

का निवेश कर चुके हैं, और इस नए समझौते के बाद निवेश का यह प्रवाह और तेजी से बढ़ेगा।

समकालीन विश्व में ऊर्जा सुरक्षा किसी भी देश की संप्रभुता और आर्थिक स्थिरता की पहली शर्त है। भारत, जो अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं में विविधता लाने और कार्बन उत्सर्जन को कम करने के लिए तेजी से स्वच्छ ऊर्जा की ओर बढ़ रहा है, के लिए कनाडा एक आदर्श और विश्वसनीय भागीदार साबित हो सकता है। मार्च २०२६ में प्रधानमंत्री मार्क कार्नो की भारत यात्रा के दौरान असेन्य परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में परमाणु ऊर्जा विभाग और कनाडाई कंपनी के बीच २.६ अरब कनाडाई डॉलर के यूरैनियम आपूर्ति समझौते को अंतिम रूप दिया गया।इसके अतिरिक्त, दोनों देशों ने महत्वपूर्ण खनिजों के क्षेत्र में सहयोग के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। लिथियम, कोबाल्ट और निकल जैसे दुर्लभ खनिज आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक्स, इलेक्ट्रिक वाहन, की बैटरियों और हरित ऊर्जा प्रौद्योगिकियों के लिए रीढ़ की हड्डी हैं। भारत ने जी७ क्रिटिकल मिनरल्स एक्शन प्लान का भी समर्थन किया है। इस प्रकार, स्वच्छ ऊर्जा संक्रमण, गिड आधुनिकीकरण और हाइड्रोजन तकनीकों में कनाडा की विशेषज्ञता और भारत का विशाल बाजार दोनों देशों के लिए एक 'विन-विन' स्थिति का निर्माण करते हैं।

भारत और कनाडा के संबंधों का सबसे जीवंत और संवेदनशील पहलू दोनों देशों के बीच पीपुल-टू-पीपुल संपर्क है। वर्तमान में कनाडा में २० लाख से अधिक भारतीय मूल के लोग रहते हैं, जो वहां की अर्थव्यवस्था, राजनीति और सामाजिक ताने-बाने में महत्वपूर्ण

भूमिका निभा रहे हैं। कनाडाई शिक्षा प्रणाली भारतीय छात्रों के लिए सबसे पसंदीदा स्थलों में से एक रही है। २०२४-२५ के आंकड़ों के अनुसार, कनाडा के सेवा निर्यात का एक बहुत बड़ा हिस्सा शिक्षा से जुड़े भारतीय छात्रों के माध्यम से आता है।विदेश मंत्री स्तर की इस हालिया वार्ता में दोनों देशों ने प्रवासन और गतिशीलता को सुव्यवस्थित करने पर विशेष बल दिया है। पिछले कुछ समय में बीजा और स्थायी निवास प्रक्रियाओं में आई सुस्ती को दूर करने के लिए कूटनीतिक मिशनों में कर्मचारियों की संख्या को फिर से बढ़ाने पर सहमति बनी है। भारतीय छात्रों और पेशेवरों के हितों की सुरक्षा सुनिश्चित करना भारत की प्राथमिकता रही है, और कनाडाई विदेश मंत्री अनीता आनंद-जो स्वयं भारतीय मूल की हैं-ने इस मोर्चे पर व्यावहारिक कदम उठाने का आश्वासन दिया है।

सुरक्षा और रणनीतिक मोर्चे पर, भारत और कनाडा दोनों ही एक मुक्त, खुले, समावेशी और नियम-आधारित भारत-प्रशांत क्षेत्र के समर्थक हैं। वैश्विक मंच पर चीन की बढ़ती आक्रामकता और आपूर्ति श्रृंखलाओं के व्यवधान को देखते हुए, दोनों लोकतांत्रिक देशों का एक साथ आना वैश्विक संतुलन के लिए आवश्यक है।अतीत के कड़वे अनुभवों से सीखते हुए दोनों पक्षों ने सुरक्षा और आतंकवाद विरोधी गिड पर खुफिया जानकारीयों के आदान-प्रदान को मजबूत करने का निर्णय लिया है। कनाडा की धरती का भारत विरोधी तत्वों द्वारा कूटनीतिक दुरुपयोग भारत के लिए हमेशा से एक रेड-लाइन रहा है। हालांकि, हाल ही में रॉयल कनाडाई माउंटड पुलिस और नई कनाडाई

सरकार द्वारा अपनाए गए संतुलित रवैये ने नई दिल्ली को यह विश्वास दिलाया है कि ओटावा अब अपनी आंतरिक सुरक्षा और अंतर्राष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं को लेकर अधिक गंभीर है। दक्षिण अफ्रीका में आगामी जी२० शिखर सम्मेलन के दौरान होने वाली संभावित द्विपक्षीय बैठक इस रणनीतिक साझेदारी को और अधिक वैचारिक स्पष्टता प्रदान करेगी।

जयशंकर और आनंद की इस ऐतिहासिक बैठक और उसके बाद दोनों देशों द्वारा जारी किया गया संयुक्त रोडमैप यह स्पष्ट करता है कि भारत और कनाडा के संबंध अब परिपक्वता के एक नए दौर में प्रवेश कर चुके हैं। इतिहास गवाह है कि राजनयिक संबंधों में उतार-चढ़ाव आते रहते हैं, लेकिन एक कुशल राष्ट्र वही है जो क्षणिक विवादों को अपने दीर्घकालिक विकास की राह में बाधा न बनने दे।आगामी दिसंबर २०२६ में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की संभावित कनाडा यात्रा इस कूटनीतिक पुनरुद्धार की पराकाष्ठा होगी। २०१५ की यात्रा ने जहां एक मजबूत ढांचा तैयार किया था, वहीं २०२६ की यह आगामी यात्रा इसे क्रियान्वयन के धरातल पर उतारेगी। व्यापार, स्वच्छ ऊर्जा, तकनीकी सुरक्षा और शिक्षा के साझा पहियों पर सवार होकर भारत और कनाडा की यह नई कूटनीतिक यात्रा वास्तव में दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों को एक अभूतपूर्व और स्थायी ऊंचाई पर ले जाने के लिए पूरी तरह तैयार है। वैश्विक पटल पर यह बदलाव केवल दो देशों का मिलन नहीं, बल्कि दो महान लोकतंत्रों की व्यावहारिक सूझबूझ की एक बड़ी विजय है।

# चौसठ के हेमंत : यानी सठियाये हुए चार साल



## काशी की मिट्टी से निकल वह शब्द, जो दिल्ली तक बनारसी बना रहा जन्मदिन पर विशेष

किसी पत्रकार को उसके जन्मदिन पर बधाई देना महज औपचारिक शुभकामना नहीं होती। खसकर तब, जब वह पत्रकार अपने समय का केवल साक्षी न रहा हो, बल्कि समय को शब्द देने वाला भी रहा हो। डॉ. हेमंत शर्मा को जन्मदिन पर बधाई देना इसलिए भी सुखद है कि उनके व्यक्तित्व में पत्रकार की पैनी नजर, लेखक की संवेदनशीलता और बनारसी आदमी की बेफिकरी-तीनों एक साथ दिखाई देते हैं।

27 सितंबर 1962 को बनारस में जन्मे हेमंत शर्मा आज चौसठ वर्ष पूरे कर 65वें वर्ष में प्रवेश कर रहे हैं। वैसे सरकारी हिसाब से कहां तो वे 64 के हुए हैं, लेकिन बनारस की चकाचक बनारसी की भाषा में कहां तो सठियाये हुए चार साल हो गए! उम्र का यह युहावरा अपने आप में जितना शरारती है, हेमंत शर्मा के व्यक्तित्व पर उतना ही फबता है। क्योंकि सठियाने की उम्र भले आ गई हो, लेकिन जिज्ञासा अभी जवान है, स्मृतियां अभी ताजा हैं और समसामयिक घटनाओं को पकड़ने वाली उनकी नजर में अब भी उम्र बढ़ती है। आखिर हेमंत शर्मा को यह के अंकों में बांधा भी कैसे जा सकता है? उनके लिए समय शायद कैलेंडर पर बदलता है, भीतर नहीं। उम्र बढ़ती है, लेकिन सवाल पूछने की आदत नहीं जाती; अनुभव बढ़ता है, लेकिन जिज्ञासा कम नहीं होती। शायद यही किसी पत्रकार के जीवित और प्रासंगिक बने रहने की सबसे बड़ी निशानी है।

'अस्सी' के राय साहब हेमंत शर्मा के व्यक्तित्व को समझने के लिए उनकी किताब

अस्सी के राय साहब का नाम ही काफी है। अस्सी काशी का केवल एक इलाका नहीं, अपने आप में एक दर्शन है-फक्कड़पन, बेबाकी, आत्मीयता, ठसक, ठिठोली और जीवन को उसकी पूरी मस्ती के साथ जीने का अंदाज। यह शीर्षक अस्सी के राय साहब जिसमें मोहल्ला और राम बहादुर राय दोनों का जुड़ाव है। हेमंत शर्मा में काशी का यही मिजाज दिखाई देता है।

दिल्ली ने उन्हें बड़े पद दिए, पत्रकारिता ने बड़ी जिम्मेदारियां दीं, देश ने उन्हें सम्मान दिया, लेकिन दिल्ली उन्हें पूरी तरह दिल्लीवाला नहीं बना सकी। उनके भीतर का बनारस अब भी जीवित है। वह बनारस जो अपने आदमी को देखकर पहले गले मिलता है, बाद में पूछता है-का हाल बा?

इसलिए उन्हें जानने वाले लोग उन्हें उनके बड़े पदों से कम और प्यार के नाम छोड़ से ज्यादा पहचानते हैं। कुछ रिश्ते खबरों से नहीं, स्मृतियों से बनते हैं हेमंत जी से मेरा परिचय केवल एक वरिष्ठ पत्रकार के रूप में नहीं रहा। उनके परिवार से मेरा आत्मीय संबंध मेरे पारिवारिक मित्र डॉ. एस.एस. गांगुली के माध्यम से बना। उन दिनों हेमंत जी होली, दीपावली और दूसरे प्रमुख त्योहारों पर कबीरचौरी स्थित अपने आवास पर आते थे। डॉ. गांगुली के साथ मैं भी कई वर्षों तक उनके घर जाता रहा।

धीरे-धीरे आने-जाने का वह सिलसिला औपचारिक परिचय से निकलकर आत्मीय रिश्ते में बदल गया। उनके घर के समारोहों में जाना, परिवार के लोगों से मिलना और उन आयोजनों का हिस्सा बनना एक सहज पारिवारिक अनुभव जैसा था। उन दिनों उनके पिता जी के एस. भारतीय पुरस्कृत, पुस्तक विमोचन उजाला के संपादकीय पृष्ठों पर पापा जी के इंटरव्यू और आलेख प्रकाशित कराने में भी मैंने अपना सहयोग दिया। हालांकि इन प्रकाशनों के वास्तविक सूत्रधार तो स्वयं छोटे जी ही थे। संबंधों की जो पूंजी उनके पास थी, वही कई बार किसी खबर या आलेख के लिए सबसे मजबूत सिफारिश बन जाती थी।

रिश्तों की यही गर्माहट का संस्मरण

एक बार बड़े भाई शरद शर्मा जी ने परिवार के एक सदस्य के इलाज के लिए मुझसे डॉक्टर एस.के. अग्रवाल से संपर्क कराने को कहा। मैंने उनसे कहा कि डॉक्टर साहब से मेरी व्यक्तिगत मुलाकात तो नहीं हुई है, लेकिन उनके फोन आते रहते हैं और उनकी नई खोजों तथा चिकित्सकीय सलाह को मैं समाचार पत्रों में प्रकाशित कराने में सहयोग करता रहता हूं। इसलिए संभव है कि वे मुझे जानते हों।

शरद जी ने पूछा-क्या वे घर पर देख सकते हैं? मैंने डॉक्टर साहब से बात की। वे निजी प्रैक्टिस नहीं करते थे। फिर भी मेरे अनुरोध पर उन्होंने कहा कि जब की आना हो, फोन कर दीजिएगा, शाम कार बजे के बाद वे घर पर मिल जाएंगे।

यह मेरे लिए केवल एक चिकित्सकीय सहायता नहीं थी। उन्होंने मेरे आग्रह को जित्त सहजता से स्वीकार किया और पूरे मनोयोग से मरीज को देखा, दवा लिखी और परामर्श दिया, उसने रिश्ते को एक और अर्थ दे दिया।

शायद रिश्तों की खूबसूरती यही है-वे कभी एक घटना से बनते हैं, कभी एक फोन से, कभी एक छोटी-सी मदद से और फिर स्मृतियों में वर्षों तक बने रहते हैं।

इसके बाद हेमंत जी के परिवार के हर समारोह की सूचना मुझे विशेष रूप से मिलती रही और मैं भी यथासंभव उनमें शामिल होता रहा।

लेकिन जिंदगी की अपनी गति होती है। हेमंत जी की व्यस्तताएं बढ़ती गईं। हमारी मुलाकातें सिमटती गईं। फिर एक समय ऐसा आया कि उनके आने-जाने की खबरें भी पहले की तरह नहीं मिलतीं। मुलाकात का वह सिलसिला जैसे धीरे-धीरे अपने स्वाभाविक अवसान तक पहुंच गया। फिर भी कुछ रिश्ते मुलाकातों के मोहताज नहीं होते।

आज जब फेसबुक पर हेमंत जी की कोई पोस्ट पढ़ता हूं, कोई टिप्पणी सुनता हूं या किसी समसामयिक विषय पर उनकी बात देखता हूं तो एक अजीब-सी आत्मीयता भीतर जागती है। लगता है कि नीले ही स्मृतियों की गलियों में हम कुछ दूर हो गए हों, लेकिन कहीं न कहीं अभी भी साथ-साथ चल रहे हैं।

जनसत्ता से दिल्ली तक-खबर

के पीछे समाज को पढ़ने की यात्रा अब बात हेमंत शर्मा की पत्रकारिता यात्रा की।

जनसत्ता से शुरू हुई उनकी पत्रकारिता ने उन्हें उत्तर प्रदेश के समाज और राजनीति को बहुत करीब से देखने का अवसर दिया। लंबे समय तक राज्य संवाददाता के रूप में उन्होंने राजनीति को केवल विधानसभाओं, राजनीतिक दलों और सत्ता के गलियारों से नहीं देखा; उन्होंने उसके पीछे के समाज को भी पढ़ा। राजनीति उनके लिए केवल नेताओं के बयान नहीं रही। वह उसके पीछे की बेचैनी, आकांक्षा, जातीय-सामाजिक संरचना, इतिहास और बदलते जनमानस को भी पढ़ते रहे। लखनऊ की संपादकी से होते हुए जब वे दिल्ली पहुंचे तो उनका कद केवल पद से नहीं, अनुभव से बड़ा हो चुका था। टीलेविजन पत्रकारिता में प्रवेश के बाद भी उनकी लेखकीय दृष्टि कहीं पीछे नहीं छूटी।

आज TV9 नेटवर्क में महत्वपूर्ण दायित्व निभाते हुए भी उनके भीतर का पत्रकार वही है-घटना को देखकर रुक जाने वाला नहीं, बल्कि यह पूछने वाला कि घटना के पीछे क्या है, उसका अर्थ क्या है और उसका असर कहां तक जाएगा।

राजनीति की रिपोर्टिंग में अपनी अलग लकीर

राजनीति की रिपोर्टिंग में हेमंत शर्मा की अपनी शैली है। वे राजनीति को केवल नेताओं के बयानों में नहीं तलाशते। उनके लिए राजनीति के पीछे का समाज, समाज के पीछे की आकांक्षा और आकांक्षा के पीछे की बेचैनी अधिक महत्वपूर्ण है। इसलिए समसामयिक विषयों पर उनका बोलना या लिखना महज टिप्पणी नहीं रह जाता। उसमें इतिहास की स्मृति भी होती है, वर्तमान की धड़कन भी और भविष्य की आहट भी।

उनकी बात में पत्रकार का तथ्य होता है, लेखक का विवेक चलने और बनारसी आदमी की वह सहज मुस्कान भी, जो सबसे गंभीर बात को भी बोझिल नहीं होने देती।

जब पत्रकार के भीतर लेखक जागता है

हेमंत शर्मा के यहां पत्रकारिता और साहित्य दो अलग-अलग धाराएं नहीं हैं। दोनों एक-दूसरे में घुली हुई हैं।

उनकी पुस्तकों-युद्ध में अयोध्या, अयोध्या का चश्मदीद, तमाशा मेरे आगे, द्वितीयोनाफिस और एकदा भारतवर्ष-को पढ़ते हुए लगता है कि समाचार लिखने वाला व्यक्ति धीरे-धीरे कथा कहने लगा है। उनके लेखन में घटनाएं हैं, लेकिन घटनाओं के पीछे मनुष्य भी है। इतिहास है तो उसकी धड़कन भी है। राजनीति है तो उसका सामाजिक चेहरा भी है। उनकी लेखनी की सबसे बड़ी खूबी शायद यही है कि वह संदर्भों को आंख नहीं बन्दे देती। कठिन विषय भी उनके यहां किस्से की तरह खुलता है और किस्सा धीरे-धीरे इतिहास की खिड़की में बखल जाता है।

और फिर-छोटे

लेकिन इन सबके बीच हेमंत शर्मा का एक दूसरा परिचय है, जो शायद सबसे आत्मीय है-छोटे। दिल्ली के बड़े मीडिया संस्थान का वरिष्ठ पदाधिकारी जब काशी के किसी अपने से मिलता है तो जैसे पद की नेमप्लेट पीछे छूट जाता है। सामने रह जाता है वही बनारसी का आदमी। गले मिलना, ठहाका लगाना, पुरानी बात छेड़ देना, उसी सहज अंदाज में बातियाना-मानो दिल्ली की दूरी कुछ थी ही नहीं। काशी के लोगों से मिलते समय उनके भीतर का बचपन जैसे अचानक जाग जाता है। और शायद मनुष्य की सबसे बड़ी उपलब्धि यही है कि वह बड़ा होते-होते अपने भीतर के बच्चे को मरने न दे।

काशी को साथ लेकर चलने वाला आदमी

हेमंत शर्मा की यात्रा काशी से लखनऊ और लखनऊ से दिल्ली तक की जरूरत है, लेकिन यह केवल भौगोलिक यात्रा नहीं है।

उन्होंने शहर बदले, संस्थान बदले, जिम्मेदारियां बदलीं, लेकिन अपनी मिट्टी नहीं बदली।

उनके भीतर का बनारस आज भी जिंदा है-कभी शब्द बनकर, कभी ठहाका बनकर, कभी स्मृति बनकर और कभी किसी पुराने मित्र को देखते ही अचानक गले लग जाने की आत्मीयता बनकर। यही कारण है कि उनके व्यक्तित्व में एक साथ दो संसार दिखाई देते हैं-एक वह जो दिल्ली के बड़े मीडिया संस्थान की जिम्मेदारियों को संभालता है और दूसरा वह जो बनारस की गलियों में आज भी छोटे कहलाने में संकोच नहीं करता।

चौसठ के हेमंत और सठियाये चार साल

चौसठ का आंकड़ा अपने आप में कुछ नहीं कहता। असली बात यह है कि इन चौसठ वर्षों में आदमी ने कितना देखा, कितना जिया, कितना लिखा और कितनी स्मृतियां दूसरों के हिस्से में छोड़ीं।

हेमंत शर्मा ने अपने हिस्से का समय केवल जिया नहीं, उसे दर्ज भी किया है।

इसलिए उनके जन्मदिन पर उम्र का हिसाब लगाते हुए बनारसी शरारत से यही कहा जा सकता ह चौसठ के हो गए हेमंत!

यानी सठियाये हुए चार साल!

मगर ये चार साल पर उनसे बस यही कहना है-इनमें अनुभव की धूप है, स्मृतियों की छांव है, पत्रकारिता की तपिश है और लेखन की वह चमक है जो उम्र के साथ मंद नहीं, और गहरी होती जाती है।

आज जब पीछे मुड़कर देखता हूं तो लगता है कि हेमंत शर्मा की यात्रा केवल एक पत्रकारी यात्रा नहीं है। यह उन बनारसी आदमी की यात्रा है जिसने महानगरों को देखा, सत्ता के गलियारों को देखा, इतिहास के निर्णायक क्षणों को देखा, लेकिन अपने भीतर के बनारस को बचाए रखा।

शायद इसी को कहते हैं-बड़ा होना, मगर अपना न छूटना।

जन्मदिन पर उनसे बस यही कहना है-

हेमंत जी, आपकी कलम में काशी की गंगा की रवानी बनी रहे, आपकी भाषा में अस्सी की फक्कड़ी बनी रहे, आपकी दृष्टि में पत्रकार की पैनी धार बनी रहे और आपके भीतर का छोटे कभी बूढ़ा न हो। मुलाकातें भले कम हो गई हों, रास्ते भले अलग हो गए हों, स्मृतियों के दरवाजे बंद नहीं होते। फेसबुक की किसी पोस्ट में, किसी किताब के पन्ने में, किसी टेलीविजन स्क्रीन पर आपकी आवाज सुनाई देती है तो लगता है-अरे, छोटे अभी वही है; बस बनारस से दिल्ली तक उसकी यात्रा थोड़ी लंबी हो गई है। जन्मदिन की बहुत-बहुत बधाई, हेमंत जी। काशी के इस अपने छोटे को उम्र के 64वें पड़ाव पर स्नेह, सम्मान और आत्मीय शुभकामनाएं।

-डॉ. सुनील कुमार

असिस्टेंट प्रोफेसर, जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर

चुरा कर चुपके से भारत के बाहर स्थित सर्वर पर भेज रहे थे। चीन, पाकिस्तान, अफगानिस्तान, कोरिया, जॉर्डन, नेपाल, इराक़ और ईराक में भी पबजी मोबाइल चिंताओं के कारण भारत ने मोबाइल लेजेंड्स, बैंग-बैंग, टिकटॉक, यू.सी. ब्राउजर तथा जैड जैसी 100 से अधिक चीनी ऐप्स पर बैन लगा दिया। पबजी मोबाइल तथा बैंग-बैंग भारत में मोबाइल कमाई करने वाले मोबाइल गेमस थे। भारत सरकार का मानना था कि ये ऐप्स बिना अनुमति के यूजर का डाटा

ले, मार्च 2019 में गुजरात में अलधिक लत लगाने और हिंसक होने के कारण पबजी मोबाइल पर बैन लगा दिया गया था। फिर 29 जून, 2020 को प्राइवसी से जुड़ी चिंताओं के कारण भारत ने मोबाइल लेजेंड्स, बैंग-बैंग, टिकटॉक, यू.सी. ब्राउजर तथा जैड जैसी 100 से अधिक चीनी ऐप्स पर बैन लगा दिया। पबजी मोबाइल तथा बैंग-बैंग भारत में मोबाइल कमाई करने वाले मोबाइल गेमस थे। भारत सरकार का मानना था कि ये ऐप्स बिना अनुम

राजाराम शेट विद्यालय और सिद्धिविनायक इंग्लिश मीडियम स्कूल ने जल्लोष लोककला महोत्सव 2026 में बड़ी सफलता हासिल की



**मुंबई।** भांडुप के राजाराम शेट विद्यालय और सिद्धिविनायक इंग्लिश माध्यम स्कूल ने बालरंगभूमि परिषद, बृहन्मुंबई शाखा की ओर से आयोजित कला महोत्सव जल्लोष लोककलेचा 2026 में जिला डॉस कॉम्पिटिशन में शानदार प्रदर्शन करके बड़ी सफलता हासिल की है। इस महोत्सव में हुए ग्रुप डॉस कॉम्पिटिशन में, राजाराम शेट विद्यालय ने दूसरा स्थान हासिल करके शानदार सफलता हासिल की। जबकि सिद्धिविनायक इंग्लिश मीडियम स्कूल के छात्रों ने इसी कॉम्पिटिशन में तीसरा स्थान हासिल करके स्कूल का नाम रोशन किया है। यह महोत्सव चिल्ड्रन्स थिएटर काउंसिल द्वारा आयोजित किया गया था। जिसका मुख्य उद्देश्य छोटे बच्चों में छिपी प्रतिभा को बाहर लाना और थिएटर और लोक कला को बढ़ावा देना था। इस कार्यक्रम में मशहूर फिल्ममेकर, डायरेक्टर और अभिनेता विजय गोखले चीफ गेस्ट के तौर पर खास तौर पर मौजूद थे। उक्त कार्यक्रम चिल्ड्रन्स थिएटर काउंसिल की फाउंडर-प्रेसिडेंट एडवोकेट नीलम शिर्के सामंत के मार्गदर्शन में बहुत अच्छे ढंग से आयोजित किया गया। स्कूल के स्टूडेंट्स की यह शानदार कामयाबी स्कूल की प्रिंसिपल रश्मि रमेश खानविलकर के योग्य मार्गदर्शन की वजह से सफल हुआ। साथ ही, शिक्षक गार्गी पवार, ज्योति शिंदे, अनीता बूरसे, महेश दहीभाते, प्रणाली घडिंगावकर और मिस्टर कुलदीप राजपूत ने स्टूडेंट्स को इस प्रतियोगिता के लिए तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। दोनों स्कूलों की इस कामयाबी और लातूर में होने वाले अगले राज्यस्तरीय कॉम्पिटिशन के लिए, संस्थापक रमेश श्रीराम खानविलकर ने प्रिंसिपल रश्मि खानविलकर, शिक्षक और विजेता छात्रों को बधाई दी।

## भिवंडी मनपा में स्वीकृत नगरसेवक पद के लिए 37 आवेदन दाखिल



**भिवंडी (उत्तरशक्ति)।** भिवंडी महानगरपालिका में नौ स्वीकृत नगरसेवक पदों के लिए कुल 37 आवेदन दाखिल किए गए हैं। स्वीकृत सदस्य के चयन को लेकर समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के बीच मतभेद खुलकर सामने आने लगे हैं। मनपा प्रशासन द्वारा स्वीकृत सदस्य पद के लिए आवेदन दाखिल करने की अवधि 16 से 28 सितंबर तक निर्धारित की गई थी। महानगरपालिका में दलों के संख्याबल के आधार पर कांग्रेस के तीन, भाजपा के दो तथा राष्ट्रवादी कांग्रेस (शरद पवार), शिवसेना (शिंदे गुट), समाजवादी पार्टी और कोणाक विकास आघाड़ी के एक-एक सदस्य का चयन किया जाना है। भाजपा की ओर से शहराध्यक्ष रवि सावंत और सुगंधा टावरे के नामों की सिफारिश किए जाने की जानकारी है। शिवसेना (शिंदे गुट) की ओर से संजय काबुकर तथा कोणाक विकास आघाड़ी की ओर से मयूर विलास पाटिल का नाम निश्चित बताया जा रहा है।

राष्ट्रवादी कांग्रेस (शरद पवार) की ओर से गिरीश म्हात्रे, साजिद खान और माज अंसारी सहित अन्य लोगों ने आवेदन दाखिल किए हैं। समाजवादी पार्टी की ओर से सरफराज (बाबू) खान का नाम सामने आया है। वहीं कांग्रेस की ओर से रानी अग्रवाल, मुख्तार खान, विकास पाटिल, डॉ. आसिफ फारुकी, डॉ. कादिर सय्यद, एडवोकेट अब्दुल करीम सिद्दीकी, अब्दुल कलाम अशरफ़ी, सोहेब अंसारी, कुमार फडतरे, हाशिम खान और प्रथमेश शिंदे सहित कई लोगों ने आवेदन दाखिल किए हैं। बताया जाता है कि स्वीकृत सदस्य पद के लिए अपेक्षा से अधिक आवेदन आने के कारण राजनीतिक दलों के भीतर चयन को लेकर गतिविधियां तेज हो गई हैं। विशेष रूप से कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के बीच इस मुद्दे को लेकर मतभेद सार्वजनिक होने से राजनीतिक हलकों में चर्चा शुरू हो गई है। हालांकि, मनपा प्रशासन ने आवेदन दाखिल करने वाले सभी उम्मीदवारों की अधिकृत सूची उपलब्ध नहीं कराई है। इसलिए दाखिल किए गए 37 आवेदनों में सभी उम्मीदवारों के नामों की पूरी पुष्टि नहीं हो सकी है।

## स्वच्छता सुविधाओं की स्थिरता के लिए 365 मॉडल ग्राम पंचायतों का स्वच्छ सेवा आकलन

**पालघर(उत्तरशक्ति)।** ग्रामीण क्षेत्रों में नागरिकों के स्वास्थ्य, स्वच्छता और सुरक्षित पर्यावरण को और मजबूत करने के उद्देश्य से स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) चरण-2 के तहत पालघर जिले की 365 ओडीएफ प्लस (मॉडल) ग्राम पंचायतों का स्वच्छ सेवा आकलन किया जायेगा। इस प्रक्रिया के माध्यम से गांवों में उपलब्ध स्वच्छता सुविधाओं की वर्तमान स्थिति, उनके संचालन एवं रखरखाव तथा स्वच्छता व्यवस्था की दीर्घकालीन स्थिरता का वस्तुनिष्ठ स्वयं-मूल्यांकन किया जायेगा।

स्वच्छता ही सेवा 2026 अभियान के तहत 17 सितंबर से 2 अक्टूबर 2026 तक जिले में विभिन्न स्वच्छता गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। इसी क्रम में ग्राम पंचायतों का वार्षिक डिजिटल स्वयं-मूल्यांकन किया जाएगा। पालघर जिले में कुल 473 ग्राम पंचायतें हैं, जिनमें से 365 ओडीएफ प्लस (मॉडल) ग्राम पंचायतें इस आकलन प्रक्रिया में शामिल होंगी। स्वच्छ सेवा आकलन के दौरान गांवों में ठोस कचरा प्रबंधन, हृद्य स्वच्छता, ठोस एवं तरल कचरा प्रबंधन के लिए उपलब्ध संसाधनों का संचालन व रखरखाव, सामुदायिक स्वच्छता परिसरों का संचालन एवं रखरखाव तथा स्वच्छता सुविधाओं की दीर्घकालीन स्थिरता जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं का मूल्यांकन किया जायेगा। यह स्वयं-मूल्यांकन ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति तथा स्थानीय समुदाय की भागीदारी से निर्धारित प्रश्नावली के आधार पर किया जायेगा। इस प्रक्रिया में ग्राम पंचायत सचिवों की भूमिका महत्वपूर्ण रहेगी। संबंधित ग्राम पंचायत के लॉगिन से ई-ग्रामस्वराज पोर्टल पर ओडीएफ प्लस (मॉडल) ग्राम पंचायत की प्रारंभिक जानकारी दर्ज की जायेगी।

## उत्तरशक्ति

\* संपादक: ओमप्रकाश प्रजापति

\* उप संपादक: प्रेम चंद मिश्रा

\*प्रबंध संपादक: डा. शेषधर बिन्द

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।

**पत्राचार कार्यालय :**

उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)

मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन

प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-

337 ट्रक दर्मिनल डब्ल्यू.टी.टी.

रोड, आर.टी.ओ. जबल ऑटफ हिल

वडाला, मुंबई-37

मो.- 9554493941

email ID- uttarshaktinews@gmail.com

# वोट चोरी के आरोपों पर कांग्रेस का हल्लाबोल, सीईसी ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग

**मीरा-भायंदर (उत्तरशक्ति)।** मतदाता सूची, फॉर्म -6 में कथित बदलाव और विश्वि गहन पुरीक्षण एसआईआर की प्रक्रिया को लेकर कांग्रेस ने चुनाव आयोग से जवाबदेही और पारदर्शिता की मांग तेज कर दी है। इसी मुद्दे पर मीरा-भायंदर कांग्रेस की ओर से रविवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई, जिसमें पार्टी नेताओं ने मुख्य निर्वाचन आयोग ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग उठाई। प्रेस कॉन्फ्रेंस में कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि फॉर्म-6 में किए गए बदलावों को लेकर मतदाताओं के

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। रोटरी क्लब ऑफ बोईसर-तारापुर की ओर से रविवार, 27 सितंबर को टीमा हॉल टेरेस पर फायरसाइड मीटिंग एवं क्लब असेंबली का आयोजन किया गया। क्लब के करीब 50 रोटेरियन सदस्यों की उपस्थिति में आयोजित बैठक में क्लब की वर्तमान गतिविधियों, सेवा परियोजनाओं तथा आगामी सामाजिक कार्यों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।

कार्यक्रम में असिस्टेंट गवर्नर रोटेरियन पदम शर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहे। क्लब अध्यक्ष रोटेरियन डॉ. प्रवीण वैश्य ने पुष्पगुच्छ, शाल एवं श्रीफल भेंट कर उनका स्वागत किया। बैठक में क्लब के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स एवं विभिन्न पदाधिकारियों ने अपने-अपने विभागों के कार्यों और अब तक संचालित सेवा प्रकल्पों का

लेखा-जोखा प्रस्तुत किया। यथ डायरेक्टर डॉ. पराग कुलकर्णी, मीडिया एवं पीआरओ तत्कालीन अध्यक्ष राम नारायण गोयल, वोकेशनल डायरेक्टर राजेश सामंत, नॉन-मेडिकल डायरेक्टर रमेश मित्तल, रोटेरियन स्मिता जाधव, मेंबरशिप डायरेक्टर सत्येंद्र सिंह शेखावत तथा एडमिन डायरेक्टर संतोष बंग, सोशल डायरेक्टर डॉ कोठावदे ने अपने-अपने विभागों की अब तक की गतिविधियों एवं उपलब्धियों की जानकारी असिस्टेंट गवर्नर पदम शर्मा के समक्ष रखी। क्लब अध्यक्ष डॉ. प्रवीण वैश्य ने क्लब की वर्तमान गतिविधियों, अब तक किये गये सेवा कार्यों तथा आगामी

## नई मुंबई सपा जिला जनसंपर्क कार्यालय का उदघाटन अबु आसिम आजमी के हाथों संपन्न



**मुंबई (उत्तरशक्ति)।** नवी मुंबई सपा जिला कार्यालय का उदघाटन विधायक अबु आसिम आजमी के हाथों संपन्न हुआ। जिसमें प्रदेश स्तर के सपा नेताओं से लेकर पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। सपा विधायक, अबु आसिम आजमी ने कहा कि इस बार 2027 के उत्तर प्रदेश के चुनाव में जनता फिर सपा की सरकार बनाने के लिए कटिबद्ध है। वहीं नई मुंबई सपा जिलाध्यक्ष आर एन यादव ने सभी उपस्थित

पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं में जोश भरते हुए कहा कि सपा में काम करने वालों की जरूरत है न कि सिर्फ पद लेकर भावकाल बनाने वाले चाहिए। सपा में हर कार्यकर्ता अखिलेश सिंह यादव, अबु आसिम आजमी है। उत्तर भारतीयों की बुलंद आवाज अबु आसिम आजमी सभी जाति धर्म समुदाय को साथ लेकर चलने वाले नेताओं में शुभार है। नई मुंबई में हमे घर घर पहुंचकर सपा के विचारों को आम जनता तक पहुंचाना है।

# कमलादेवी महाविद्यालय में रक्तदान शिविर- 43 रक्तदाताओं ने किया रक्वैच्छक रक्तदान

**कल्याण (उत्तरशक्ति)।** कल्याण में सामाजिक प्रतिबद्धता एवं मानवतावादी दृष्टिकोण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कमलादेवी महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) विभाग की ओर से सोमवार को महाविद्यालय परिसर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विद्यार्थियों, प्राध्यापकों तथा शिक्षकेतर कर्मचारियों ने उत्स्फूर्त सहभागिता करते हुए कुल 43 रक्तदाताओं ने स्वैच्छिक रक्तदान किया। शिविर में महाविद्यालय के संस्थापक सदानंद तिवारी, मुथा महाविद्यालय के संस्थापक प्रकाश मुथा, प्राचार्या डॉ. सिम्मी सिंह, अश्विनी राणे, अधीक्षक संचिन चौधरी, के. एम. अग्रवाल कॉलेज



के सचिव ओमप्रकाश पांडे, उद्धव बालासाहेब ठाकरे पक्ष के जिलाध्यक्ष शरद पाटील, महिला संगठन की मीनाताई उबाळे तथा नार्वेकर प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। इस अवसर पर महाविक्टरी चैरिटेबल ट्रस्ट लाइफलाइन ब्लड

बैंक के डॉ. कमलेश गुप्ता एवं डॉ. प्रतीक्षा पाटील तथा बापगांव ब्लड बैंक के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। उनके मार्गदर्शन में रक्तदान की प्रक्रिया सुरक्षित एवं व्यवस्थित रूप से संपन्न हुई। रक्त की आवश्यकता दुर्घटनाग्रस्त मरीजों, शल्यक्रिया कराने वाले मरीजों, प्रसूता महिलाओं तथा विभिन्न बीमारियों से पीड़ित मरीजों के उपचार में होती है। ऐसे में स्वैच्छिक रक्तदान समाज के प्रति एक महत्वपूर्ण मानवीय जिम्मेदारी है। रक्तदान से जरूरतमंद मरीजों को जीवनदान मिलने के साथ ही समाज में सेवा, सहयोग और मानवता की भावना को भी बढ़ावा मिलता है।

# डोंबिवली पूर्व स्टेशन परिसर में फेरीवालों की गुंडागर्दी, सररेराह मारपीट, वीडियो वायरल



**डोंबिवली (उत्तरशक्ति)।** डोंबिवली पूर्व रेलवे स्टेशन परिसर में फेरीवालों के बीच जगह को लेकर विवाद एक बार फिर सामने आया है। जगह के विवाद को लेकर दो फेरीवालों के बीच सड़क पर ही जमकर मारपीट हुई। इस मारपीट का वीडियो कैमरे में कैद हो गया, जो अब सोशल मीडिया पर तेजी से

वायरल हो रहा है। बताया जा रहा है कि डोंबिवली पूर्व स्टेशन से करीब 150 मीटर दायरे में फेरीवालों का अतिक्रमण बढ़ गया है। इसके चलते स्टेशन आने-जाने वाले यात्रियों और पैदल चलने वाले नागरिकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। फेरीवालों के अतिक्रमण के

खिलाफ केडीएमसी की कार्रवाई पर भी नागरिकों ने सवाल उठाए हैं। नागरिकों का आरोप है कि कार्रवाई के बावजूद स्टेशन परिसर में फेरीवालों की संख्या और अतिक्रमण की समस्या बनी हुई है। वहीं, फेरीवालों के बीच हुई मारपीट के बाद स्टेशन परिसर में कानून-व्यवस्था को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं। नागरिकों ने प्रशासन से फेरीवालों के अतिक्रमण के खिलाफ कठोर और नियमित कार्रवाई करने की मांग की है। मारपीट के मामले में रामनगर पुलिस थाने में फेरीवालों के खिलाफ मामला दर्ज किए जाने की जानकारी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

# वोट चोरी के आरोपों पर कांग्रेस का हल्लाबोल, सीईसी ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग



बीच भ्रम की स्थिति पैदा हो रही है। सोशल मीडिया जिला अध्यक्ष दीपक बागरी ने सवाल उठाया कि फॉर्म -6 में बदलाव किसकी अनुमति से किया गया और ऑनलाइन तथा ऑफलाइन फॉर्म -6 में कथित अंतर क्यों दिखाई दे

रहा है। कांग्रेस ने चुनाव आयोग से मांग की कि फॉर्म -6 में किए गए बदलाव से संबंधित आदेश, उसका कानूनी आधार और पूरी प्रक्रिया सार्वजनिक की जाए। एस आईआर प्रक्रिया को लेकर भी पार्टी ने चुनाव

आयोग से स्पष्ट एवं पारदर्शी जानकारी उपलब्ध कराने की मांग की। फॉर्म-6 और एसआईआर को लेकर राष्ट्रीय स्तर पर भी कांग्रेस तथा चुनाव आयोग के बीच विवाद जारी है।

हाल के दिनों में कांग्रेस ने इन मुद्दों को लेकर सीईसी ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग के साथ देश के विभिन्न हिस्सों में प्रदर्शन किए हैं।

मीरा रोड स्टेशन पर विरोध प्रदर्शन प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद कांग्रेस पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने मीरा रोड रेलवे स्टेशन पर विरोध प्रदर्शन किया।



परियोजनाओं की रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने विभिन्न सेवा प्रकल्पों के माध्यम से समाज के जरूरतमंद वर्गों तक पहुंचने के क्लब के प्रयासों की जानकारी दी। इस अवसर पर पाट प्रेसिडेंट रोटेरियन राकेश मिश्रा ने रोटरी फाउंडेशन की भूमिका, उद्देश्यों एवं कार्यप्रणाली पर अत्यंत प्रभावी एवं विस्तृत जानकारी देते हुए सदस्यों को संभावित जानकारी। उन्होंने रोटरी फाउंडेशन के माध्यम से संचालित होने

वाले विभिन्न सेवा कार्यों और वैश्विक स्तर पर रोटरी की भूमिका को सरल एवं प्रभावशाली ढंग से समझाया। अपने संबोधन में असिस्टेंट गवर्नर पदम शर्मा ने क्लब की सेवा गतिविधियों की सराहना करते हुए सदस्यों की सक्रिय सहभागिता, आपसी समन्वय एवं टीम भावना की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि समाजोपयोगी परियोजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में क्लब के पदाधिकारियों

# काशीगांव पुलिस की जुआ अड्डे पर छापेमारी, 8 लोगों पर कार्रवाई

**♦36,490 नकद, 8 मोबाइल फोन और ताश के पत्तों सहित 1.16 लाख की संपत्ति जब्त**

**मीरा-भायंदर (उत्तरशक्ति)।** काशीगांव पुलिस स्टेशन की अपराध जांच शाखा ने घोड़बंदर किले के पास एक घर में चल रहे कथित तीन पत्नी जुआ अड्डे पर छापेमारी कर 8 लोगों के खिलाफ कार्रवाई की। पुलिस ने मौके से नकदी, मोबाइल फोन, ताश के पत्ते और जुए में इस्तेमाल होने वाली सामग्री सहित कुल 1,16,890 की संपत्ति जब्त की है। पुलिस के अनुसार, 27 सितंबर 2026 को शाम करीब 4:20 बजे काशीगांव पुलिस स्टेशन की अपराध जांच शाखा के सब-इंस्पेक्टर सुहास कांबले को गुप्त सूचना मिली थी कि मीरा रोड क्षेत्र में घोड़बंदर किले के पास अचर अली के घर के लिविंग रूम में कुछ लोग



तीन पत्नी जुआ खेल रहे हैं। सूचना वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक राहुल कुमार पाटिल को दी गई। इसके बाद वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में काशीगांव पुलिस की अपराध जांच टीम ने संबंधित स्थान पर पहुंचकर छापेमारी की। पुलिस के अनुसार, मौके पर 8 व्यक्ति कथित रूप से जुआ खेलते हुए मिले। इन 8 लोगों पर हुई कार्रवाई पुलिस के अनुसार कार्रवाई में शामिल लोगों के नाम इस प्रकार हैं अचर अली अब्दुल सत्तार अली (40) – रिक्शा चालक,

एवं सदस्यों की सामूहिक भूमिका महत्वपूर्ण है। उन्होंने भविष्य में भी इसी उत्साह एवं समर्पण के साथ सेवा कार्यों को आगे बढ़ाने के लिए सभी को शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर असिस्टेंट गवर्नर पदम शर्मा ने विभिन्न जनोपयोगी एवं सामाजिक सेवा परियोजनाओं को प्रभावी ढंग से संचालित करने वाले बोर्ड डायरेक्टर्स एवं पदाधिकारियों को पुष्पगुच्छ, शाल एवं श्रीफल देकर सम्मानित किया।

उन्होंने सम्मानित सदस्यों के योगदान की सराहना करते हुए समाजसेवा के क्षेत्र में निरंतर सक्रिय रहने का आह्वान किया। कार्यक्रम का संचालन रोटेरियन शैलेश अग्रवाल ने अत्यंत प्रभावी, सुंदर एवं सुव्यवस्थित ढंग से किया। बैठक के दौरान आगामी सेवा प्रकल्पों को लेकर सदस्यों के बीच विचार-विमर्श हुआ तथा

प्रस्तावित परियोजनाओं की तैयारियों एवं क्रियान्वयन की रूपरेखा पर चर्चा की गई। कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रोजेक्ट डायरेक्टर डॉ. सोनम खांडेजोड़, प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर एवं तत्कालीन अध्यक्ष रोटेरियन राम नारायण गोयल, पूर्व अध्यक्ष रोटेरियन जगदीश भूते, रोटेरियन शैलेश अग्रवाल, रोटेरियन मुकेश भाटिया तथा सचिव रंदेश जैन की महत्वपूर्ण भूमिका रही। उनके समन्वित प्रयासों से कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। बैठक में क्लब के अनेक रोटेरियन सदस्य एवं पूर्व अध्यक्ष उपस्थित रहे। कार्यक्रम के समापन पर सभी सदस्यों के लिए भोजन की व्यवस्था की गई। पूरी बैठक के दौरान रोटरी सदस्यों में आपसी सौहार्द, संगठनात्मक एकजुटता, टीम भावना तथा कार्यजोश के प्रति प्रतिबद्धता का भाव स्पष्ट रूप से देखने को मिला।

# गणेशोत्सव 2026: मीरा-भायंदर, वसई-विरार में 1,596 गणेश मंडलों का शांतिपूर्ण आयोजन

**♦पुलिस की प्रभावी योजना और नागरिकों के सहयोग से गणेशोत्सव एवं विसर्जन समारोह शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न**

**मीरा-भायंदर (उत्तरशक्ति)।** मीरा-भायंदर, वसई-विरार पुलिस आयुक्तालय की सीमा में गणेशोत्सव 2026 शांतिपूर्ण, सुरक्षित, अनुशासित एवं पारंपरिक वातावरण में संपन्न हुआ। पुलिस आयुक्त नितेश कौशिक के मार्गदर्शन में पुलिस प्रशासन द्वारा की गई व्यापक योजना और गणेश मंडलों, नागरिकों एवं स्वयंसेवकों के सहयोग से इस वर्ष किसी भी जोन में कानून-व्यवस्था से जुड़ी कोई गंभीर समस्या सामने नहीं आई। पुलिस आयुक्तालय के अंतर्गत इस वर्ष कुल 1,596 सार्वजनिक गणेश मंडलों ने गणेशोत्सव मनाया। इनमें जोन-1 में 652, जोन-2 में 475 और जोन-3 में 469 सार्वजनिक गणेश मंडल शामिल रहे।

**ध्वनि प्रदूषण पर नियंत्रण, पारंपरिक उत्सव को प्राथमिकता:** गणेशोत्सव के दौरान ध्वनि प्रदूषण को नियंत्रित करने, निर्धारित ध्वनि सीमा एवं समय-



सीमा का पालन कराने के साथ-साथ विसर्जन जुलूसों को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन और गणेश मंडलों के बीच प्रभावी समन्वय स्थापित किया गया। गणेश मंडलों को ध्वनि सीमा, लाउडस्पीकर के निर्धारित समय, यातायात व्यवस्था तथा विसर्जन जुलूस के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए थे। पुलिस के अनुसार, गणेश मंडलों ने इन निर्देशों का सकारात्मक रूप से पालन करते हुए डीजे के उपयोग से परहेज किया और ढोल-नगाड़ों, पारंपरिक वाद्ययंत्रों तथा विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से उत्सव मनाने को प्राथमिकता दी। पुलिस की विभिन्न शाखाओं में रहा समन्वय गणेश चतुर्थी से लेकर विसर्जन तक सुरक्षा व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए सभी पुलिस स्टेशनों

के साथ यातायात शाखा, अपराध शाखा, विशेष शाखा, सुरक्षा शाखा और संबंधित पुलिस टीमों ने वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में प्रभावी योजना एवं समन्वय के साथ काम किया। जोन-1, जोन-2 और जोन-3 में गणेश चतुर्थी तथा विसर्जन के दौरान कानून-व्यवस्था से जुड़ी कोई गंभीर समस्या उत्पन्न नहीं हुई और सभी कार्यक्रम एवं विसर्जन समारोह शांतिपूर्ण एवं सुचारू रूप से संपन्न हुए। नागरिकों और मंडलों के सहयोग से मिला सकारात्मक संदेश पुलिस प्रशासन के अनुसार, नागरिक, सार्वजनिक गणेश मंडलों, स्वयंसेवकों और पुलिसकर्मियों के आपसी सहयोग से इस वर्ष डीजे के अत्यधिक शोर से दूर पारंपरिक, सांस्कृतिक एवं पर्यावरण-अनुकूल तरीके से गणेशोत्सव मनाने का सकारात्मक संदेश समाज तक पहुंचा। मीरा-भायंदर, वसई-विरार पुलिस आयुक्तालय की ओर से सभी सार्वजनिक गणेश मंडलों, गणेश भक्तों, स्वयंसेवकों तथा पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों का आभार व्यक्त किया गया, जिन्होंने गणेशोत्सव को शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं अनुशासित तरीके से संपन्न कराने में सहयोग दिया।

# हनुमान नगर में पोषण मेले का हुआ आयोजन, महिलाओं को कानून एवं अधिकारों की दी गई जानकारी

**पालाघर (उत्तरशक्ति)।** एकात्मिक बाल विकास सेवा योजना परियोजना पालघर के तारापुर-2 विभाग की ओर से पोषण महाअभियान के तहत 23 सितंबर को हनुमान नगर ग्राम पंचायत सभागृह में पोषण मेले एवं पंचायतराज संस्थाओं से जुड़ी महिलाओं के लिए कानूनी प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महिलाओं के पोषण, स्वास्थ्य, कानूनी अधिकार तथा बच्चों के सर्वांगीण विकास को लेकर जागरूकता की गई। इस दौरान महिलाओं ने उत्स्फूर्त सहभागिता दर्ज कराई।

कार्यक्रम में पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष तथा महाराष्ट्र राज्य अनुसूचित जनजाति आयोग की अध्यक्षा वैदेही वाढाण, पूर्व जिला परिषद सदस्य भावना विचार, सरपंच गुलाब खरपडे सहित उपस्थित प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम का आयोजन बाल विकास परियोजना अधिकारी अमोल पवार



के मार्गदर्शन में किया गया। वैदेही वाढाण ने पोषण अभियान की विभिन्न सकल्पनाओं और उसके उद्देश्यों की जानकारी देते हुए महिलाओं तथा किशोर-किशोरियों से पोषण को गंभीरता से लेने का आह्वान किया। उन्होंने आदिवासी समाज के लिए बनाये गये विभिन्न कानूनों एवं प्रावधानों, विवाद की निर्धारित कानूनी आयु तथा कम उम्र में विवाह होने से स्वास्थ्य पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों के बारे में मार्गदर्शन किया। उन्होंने कहा कि सामाजिक रूढ़ियों और परंपराओं के साथ बच्चों के स्वास्थ्य एवं भविष्य को भी प्राथमिकता देना आवश्यक है।

भावना विचार ने अंगणवाड़ी और जिला परिषद स्कूलों के बच्चों को अच्छा स्पर्श और बुरा स्पर्श के बारे में उचित तरीके से जानकारी देने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि माता-पिता, अंगणवाड़ी सेविका एवं सहायिकाएं बच्चों को उनकी समझ के अनुसार प्रत्यक्ष उदाहरणों के माध्यम से यह जानकारी दें। साथ ही उन्होंने बालक-बालिकाओं की शिक्षा के महत्व तथा महिलाओं के लिए उपलब्ध विभिन्न कानूनों और केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं की जानकारी पात्र लाभार्थियों तक पहुंचाने का आह्वान किया।

# ज्वेलर्स की दुकान के बरामदे में सो रहे अधेड़ की सिर कूचकर हत्या, मचा हड़कंप

सिकरारा,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। भूभौरी गांव स्थित गोदाम बाजार चौदहे पर रविवार रात ज्वेलर्स की दुकान के बरामदे में सो रहे अधेड़ की सिर कूचकर हत्या कर दी गई। सोमवार भोर करीब तीन बजे बाजारवासियों को घटना की जानकारी हुई तो उन्होंने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना की जांच में पुलिस जुटी है।

## संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल उठाकर अपनी राजनीतिक नाकामियां छिपा रही कांग्रेस: अजीत प्रजापति

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उत्सव मोटल में आयोजित प्रेस वार्ता में भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत प्रजापति ने कांग्रेस और विपक्षी दलों द्वारा निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली पर

था। वह किसी से ज्यादा बातचीत नहीं करता था और कभी-कभार ही घर जाता था। सिकरारा-बरईपार मार्ग स्थित गोदाम बाजार में खपरहां गांव निवासी हिमांशु सेठ विंध्यवासिनी ज्वेलर्स के नाम से दुकान चलाते हैं। सोमवार सुबह दुकान का ताला टूटा मिला, हालांकि दुकान से कोई सामान गायब नहीं था। दुकान के बरामदे में ही उदयरराज नियमित रूप से सोता था। पुलिस के मुताबिक उसके सिर पर किसी भारी वस्तु से वार कर हत्या की गई। घटनास्थल पर दुकान की दीवार पर खून के छींटे और आसपास काफी खून फैला मिला। घटना की सूचना मिलते ही अपर पुलिस अधीक्षक अतीस कुमार,

निर्वाचन आयोग सहित अन्य संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल उठाते रहे हैं। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया और संवैधानिक संस्थाओं

सीओ सदर सम्यक चौधरी और थानाध्यक्ष तेजबहादुर सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। आसपास के थानों से भी पुलिस बल बुलाया गया। पुलिस ने घटनास्थल की जांच करने के साथ ही आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है। उदयरराज चार भाइयों में से था। उसके भाई अभयरराज और छविराज यादव की पहले ही मौत हो चुकी है, जबकि छोटा भाई दीपराज मुंबई में रहता है। मां अभयरजी देवी उर्फ भुटका सहित परिजनों को घटना की जानकारी मिली तो वे मौके पर पहुंचे और रोने-बिलबिलाने लगे। पुलिस दुकानदार और मृतक के परिजनों से पूछताछ कर हत्या के कारणों और आरोपियों का पता लगाने में जुटी है।

एक अधिकारी की प्रशासनिक कार्यप्रणाली से जुड़े आंतरिक मामले से संबंधित था। भाजपा जिलाध्यक्ष ने फॉर्म-6 और एसआईआर को लेकर भी विपक्ष के आरोपों पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि निर्वाचन प्रक्रिया में मतदाताओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए बूथ स्तर पर कार्य किया जा रहा है और छूटे हुए मतदाताओं तक पहुंचने के प्रयास किए जा रहे हैं।

उन्होंने कांग्रेस पर चुनावी प्रक्रिया, ईवीएम और निर्वाचन आयोग को लेकर लगातार सवाल उठाने का आरोप लगाते हुए कहा कि राजनीतिक दलों को संवैधानिक संस्थाओं के संबंध में कोई भी आरोप लगाने से पहले तथ्यों की पुष्टि करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में संस्थाओं के प्रति विश्वास बनाए रखना सभी राजनीतिक दलों की जिम्मेदारी है। प्रेस वार्ता में राज्यसभा सांसद सीमा द्विवेदी, लोकसभा प्रत्याशी कृपाशंकर सिंह, पीयूष गुप्ता, अजय सिंह, जिला मीडिया प्रभारी आमोद सिंह और प्रद्युम्न तिवारी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।



उठाए जा रहे सवालों को लेकर प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को अपनी राजनीतिक एवं संगठनात्मक कमजोरियों पर आत्ममंथन करना चाहिए। संवैधानिक संस्थाओं से जुड़े विषयों को राजनीतिक मुद्दा बनाकर जनता के बीच भ्रम पैदा करने से उसकी समस्याओं का समाधान नहीं होगा। अजीत प्रजापति ने आरोप लगाया कि चुनावों में पराजय के बाद कांग्रेस और उसके सहयोगी दल

विश्वसनीयता पर सवाल उठाने के बजाय विपक्ष को तथ्यों के आधार पर अपनी बात रखनी चाहिए।

उन्होंने निर्वाचन आयोग से जुड़े हालिया विवाद का उल्लेख करते हुए कहा कि आयोग की ओर से जारी स्पष्टीकरण के बाद विपक्ष द्वारा उठाए गए कई सवालों की स्थिति स्पष्ट हो गई है। उन्होंने दावा किया कि कैबिनेट सचिव को भेजा गया पत्र किसी नीतिगत निर्णय अथवा एसआईआर से संबंधित नहीं, बल्कि

## 200 टन वजनी बॉयलर मशीन लेकर 308 पहियों वाले ट्रैलर के लिए मोहनसराय में फुट ओवरब्रिज काटने का काम शुरू

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। रोहनिया क्षेत्र के मोहनसराय चौराहे



पर सोमवार को उस समय विशेष तैयारी शुरू की गई, जब 200 टन वजनी ओवर डायमेशन कार्गो

बॉयलर मशीन को लेकर 308 पहियों वाले विशाल ट्रैलर को हाईवे

से गुजारने की प्रक्रिया शुरू हुई। ट्रैलर के रास्ते में पड़ रहे फुट ओवरब्रिज को काटकर हटाने का काम शुरू कर दिया गया है। बताया जाता है कि उक्त विशाल ट्रैलर मंगलवार को मोहनसराय चौराहे पर पहुंच सकता है। मशीन को बेल्टजिम से समुद्री मार्ग के जरिए ओडिशा लाया गया था। इसके बाद इसे विशेष ट्रैलर पर लादकर सड़क मार्ग से ओडिशा से उत्तर प्रदेश ले जाया जा रहा है। जानकारी के अनुसार, 200 टन वजनी इस बॉयलर मशीन को उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी जिले के बलरामपुर में निमाणधीन एक प्लांट में स्थापित किया जाना है। विशाल ट्रैलर के आगमन को देखते हुए मोहनसराय हाईवे पर फुट ओवरब्रिज को काटकर हटाने की कार्यवाई की जा रही है।

## बीएचयू की छात्राओं ने आशा ट्रस्ट की गतिविधियों को जाना

समाजशास्त्र विभाग की 34 छात्राओं ने किया शैक्षणिक भ्रमण, आशा लाइब्रेरी का लिया जायजा

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। काशी हिंदू विश्वविद्यालय के



समाजशास्त्र विभाग के परास्नातक पाठ्यक्रम की 34 छात्राओं के समूह ने भन्द्हा कला, कैथी स्थित सामाजिक संस्था आशा ट्रस्ट के मुख्य परिसर का शैक्षणिक भ्रमण किया। कार्यक्रम मेधा लर्निंग

फाउंडेशन के सहयोग से आयोजित किया गया।

भ्रमण के दौरान छात्राओं ने बालिकाओं के लिए संचालित आशा लाइब्रेरी, पैड बैंक और स्वावलंबन प्रशिक्षण कार्यक्रमों की जानकारी ली। उन्होंने संस्था की सामाजिक गतिविधियों, जमीनी

स्तर पर आने वाली चुनौतियों और उनके समाधान की संभावनाओं पर भी चर्चा की। छात्राओं ने संविधान आधारित पोस्टर प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। आशा ट्रस्ट के समन्वयक वल्लभभाचार्य पाण्डेय ने कहा कि युवा पीढ़ी को समाजसेवा के क्षेत्र में आगे आना चाहिए। युवाओं को जमीनी सामाजिक मुद्दों को समझकर उनके समाधान के लिए प्रयास करना जरूरी है। इस अवसर पर समाजशास्त्र विभाग के प्रवक्ता डॉ. विकास सिंह, मेधा लर्निंग फाउंडेशन के वरिष्ठ कार्यक्रम प्रबंधक जयंत सिंह, अंकित गिरी, सौरभ चंद्र, प्रदीप सिंह, ऋतु सहित अन्य लोगों ने छात्राओं का मार्गदर्शन किया।

## जनकल्याण, सुरक्षा और समृद्धि का संकल्प

जनता दर्शन में मुख्यमंत्री ने सुनी नागरिकों की समस्याएं, अधिकारियों को त्वरित निस्तारण के निर्देश

लखनऊ (उत्तरशक्ति)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को लखनऊ स्थित अपने सरकारी आवास पर आयोजित जनता दर्शन में विभिन्न समस्याओं से आए नागरिकों की समस्याएं सुनीं। मुख्यमंत्री ने लोगों से उनकी समस्याओं के संबंध में जानकारी ली और संबंधित अधिकारियों को उनके त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण के निर्देश दिए। जनता दर्शन में बड़ी संख्या में लोग अपनी समस्याएं और शिकायतें लेकर पहुंचे। मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को प्रत्येक प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने अधिकारियों से शिकायतों के निस्तारण में समयबद्धता और पारदर्शिता बनाए रखने के निर्देश दिए।

जिम्मेदारी है कि आम नागरिकों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए अनावश्यक परेशानी न उठानी पड़े।

# मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का पुतला फूंक कांग्रेसियों ने निकाला विरोध मार्च

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मतदाता सूची और चुनावी प्रक्रिया को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डॉ. प्रमोद कुमार सिंह के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने दीवानी न्यायालय स्थित अंबेडकर तिराहे से विरोध मार्च निकाला और नारेबाजी करते हुए कलेक्ट्रेट परिसर का भ्रमण किया। मार्च विकास भवन पहुंचकर सरदार वल्लभ भाई पटेल की प्रतिमा के समक्ष धरना-प्रदर्शन में तब्दील हो गया।

प्रदर्शन को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष डॉ. प्रमोद कुमार सिंह ने निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने और उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा और निर्वाचन आयोग की मिलीभगत से चुनावी प्रक्रिया प्रभावित की जा

रही है। हालांकि, ये आरोप कांग्रेस नेताओं के हैं। निर्वाचन आयोग स्वयं



एक स्वायत्त संवैधानिक संस्था है और ज्ञानेश कुमार वर्तमान में मुख्य चुनाव आयुक्त हैं।

डॉ. प्रमोद कुमार सिंह ने एसआईआर को लेकर भी सवाल उठाए और आरोप लगाया कि इसके माध्यम से विभिन्न राज्यों में मतदाता सूची को प्रभावित करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस लोकतांत्रिक और संवैधानिक

संस्थाओं की जवाबदेही को लेकर अपना विरोध जारी रखेगी।



शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष आरिफ खान ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी लगातार चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली और मतदाता सूची से जुड़े मुद्दे उठा रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनावी प्रक्रिया को प्रभावित करने के प्रयास किए जा रहे हैं। गौरतलब है कि सितंबर 2026 में कांग्रेस ने मुख्य चुनाव आयुक्त

ज्ञानेश कुमार के खिलाफ देश के विभिन्न हिस्सों में प्रदर्शन कर उनके



इस्तीफे की मांग की है। उत्तर प्रदेश में भी कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन की रिपोर्ट सामने आई है। विरोध मार्च का संचालन जिला कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष एवं संगठन प्रभारी राकेश मिश्रा ने किया। इस मौके पर जिला उपाध्यक्ष विनय तिवारी, डॉ. परमेन्द्र सिंह, डॉ. अनित तीर्थराज सिंह, डॉ. राकेश मिश्रा, लाल प्रकाश पाल, डॉ. संतोष गिरी,

निवेश सिंह, चंद्रशेखर निषाद, संदीप निषाद, अरविंद यादव, सभासद शहनवाज मंजूर, रामसिंह बांकुरे, अनिरुद्ध पटेल, जयप्रकाश मिश्र, अनिल दुबे आजाद, अभिनव सिंह साहिल, अनिल सोनकर, फैयाज हाशमी, अरुण शुक्ला, कृष्णचंद निषाद, इरशाद खान राजू, डॉ. आरसी पांडेय, जम्बार अली सलमानी, राजकुमार

निषाद, राकेश सिंह डब्बू, मुहम्मद आसिफ, मुहम्मद ताहिर, राजकुमार गुप्ता, रिकू पंडित, प्रेमचंद मोर्था, बृजेश उपाध्याय, सुरेश गौड़, इकबाल हुसैन, विजय यादव, महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष रेखा सिंह, किरन देवी, सुशीला देवी, सुनील तिवारी, शीला देवी, अर्चना देवी और वीरेंद्र सेठ सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

## विधि और सामाजिक न्याय के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वालों का हुआ सम्मान!

लोकबंधु राजनारायण विधि महाविद्यालय के 23 वां स्थापना दिवस समारोह

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के राजतालाब लोकबंधु राजनारायण विधि महाविद्यालय मोतीकोट गंगानगर में 23 वां स्थापना दिवस समारोह हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रो.रंजन कुमार, मनीष सिंह, प्रो. ओम शर्मा और डॉ. सत्येंद्र कुमार सिंह ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन और लोकबंधु राजनारायण के चित्र पर माल्यार्पण कर किया। महाविद्यालय की ओर से संस्थापक

उल्लेखनीय योगदान देने वाले विधि शिक्षाविदों, अधिवक्ताओं और सामाजिक कार्यकर्ताओं का सम्मान रहा। महाविद्यालय के संस्थापक निदेशक डॉ. अभिषेक सिंह और



निदेशक डॉ. अभिषेक सिंह ने कहा कि वर्ष 2004 में स्थापित इस महाविद्यालय ने विगत 23 वर्षों में विधि शिक्षा के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित की है। महाविद्यालय में 2004 में एलएलबी त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम के साथ वर्ष 2022 में बीए एलएलबी पंचवर्षीय पाठ्यक्रम का शुभारंभ किया गया। महाविद्यालय की स्थापना से लेकर आज तक की विकास यात्रा में संस्थापकगण, प्रबंधन, शिक्षकगण, पुरातन और वर्तमान छात्रों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। समारोह का मुख्य आकर्षण विधि एवं सामाजिक न्याय के क्षेत्र में

शिक्षकों द्वारा प्रो. रंजन कुमार, मनीष सिंह, प्रो. ओम शर्मा, डॉ. सत्येंद्र कुमार सिंह, डॉ. डीके राय, डॉ. संजीत, सीपी शुक्ला, डॉ. शिव कैलाश, डॉ. धर्मेन्द्र गुप्ता, डॉ. मुरुंजय कुमार राय, डॉ. हंसराज, धनंजय कुमार शर्मा, डॉ. शशांक सिंह चंदेल आदि विधि और सामाजिक न्याय के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वालों को स्मृति चिन्ह और अंगवस्त्रम देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अधिवक्ता मनीष सिंह ने कहा कि विधि स्नातक का दायित्व सामाजिक समरसता उत्पन्न करना तथा समाज को नई दिशा प्रदान करना है। प्रो.

रंजन कुमार ने कहा कि विधि शिक्षा व्यक्ति के व्यक्तित्व में निखार लाती है और समाज में अलग पहचान बनाती है। डॉ. सत्येंद्र कुमार सिंह ने कहा कि विधि शिक्षा का मूल उद्देश्य विवेक उत्पन्न करना है और यह तभी सार्थक होगा जब बिना किसी भय के सही को सही कहने का हौसला हो। यह महाविद्यालय एक तीर्थ स्थल है जहां राजनारायण जैसे विवेकशील महापुरुष ने जन्म लिया। संस्थापक निदेशक डॉ. अभिषेक सिंह ने कहा कि आप केवल

विधि के विद्यार्थी न बनें बल्कि न्याय, संविधान, विधिक चेतना और सामाजिक दायित्व के सजग प्रहरी बनें। महाविद्यालय का उद्देश्य विधि शिक्षा को सामाजिक रूप से समाज के उत्थान के लिए तैयार करना है। कार्यक्रम का संचालन करुणामय ने किया और धन्यवाद ज्ञापन डॉ. अभिषेक सिंह ने किया। इस अवसर पर डॉ. नीरज पाठक, डॉ. आलोक कुमार राय, डॉ. सरोज वर्मा, डॉ. विजय कुमार, करुणामय, समीर कांत पाठक, योगेश कुमार सिंह, नरेंद्र देव सिंह, शिव प्रकाश पांडेय, सुनीता सहित महाविद्यालय के छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

## तीन माह बाद कमिश्नर पद पर पदोन्नति की दौड़ में 2011 बैच के चार आईएएस अधिकारी

लखनऊ (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश की नौकरशाही में 2011 बैच के चार आईएएस अधिकारियों की आगामी पदोन्नति को लेकर चर्चा तेज है। बताया जा रहा है कि करीब तीन माह बाद ये अधिकारी पदोन्नति पाकर मंडलायुक्त (कमिश्नर) पद की जिम्मेदारी सभाल सकते हैं। हालांकि, पदोन्नति और आगामी तैनाती के संबंध में अंतिम निर्णय शासन स्तर पर निर्धारित प्रक्रिया के बाद ही होगा। इन अधिकारियों में विशाख जी, मनीष कुमार वर्मा, दीपक मीणा और रविंद्र कुमार शामिल हैं। उपलब्ध आईएएस केडर रिकॉर्ड

में चारों अधिकारी उत्तर प्रदेश केडर



के 2011 बैच से संबंधित हैं।

वर्तमान में ये अधिकारी जिलाधिकारी सहित महत्वपूर्ण प्रशासनिक जिम्मेदारियों से जुड़े हैं। विशाख जी की लखनऊ में जिलाधिकारी के रूप में तैनाती 21 सितंबर 2026 से वर्ज है। उत्तर प्रदेश में वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारियां भी आगे बढ़ रही हैं। ऐसे में इन अधिकारियों की संभावित पदोन्नति और उसके बाद की तैनाती को प्रशासनिक हलकों में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। चुनाव के दौरान इनकी भूमिका क्या होगी, यह शासन के आगामी निर्णय और निर्वाचन संबंधी नियमों के तहत तय होगा।

## साहित्यांजलि प्रभा की मासिक बैठक में बही कविता की रसधार

प्रयागराज (उत्तरशक्ति)। साहित्यांजलि प्रभा मासिक पत्रिका के संपादक मंडल की मासिक बैठक डॉ. अजय मालवीय 'बहार' की अध्यक्षता में पत्रिका के उपसंपादक एवं वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. योगेन्द्र कुमार मिश्र 'विवक्षबंध' के निमंत्रण पर आयोजित हुई। बैठक की मुख्य अतिथि पत्रिका की अतिथि-संपादक डॉ. जयामोहन श्रीवास्तव रही।

बैठक में पत्रिका के संवर्धन एवं विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। साथ ही निर्णय लिया गया कि पत्रिका की ओर से आयोजित मासिक सम्मान समारोह 'साहित्यकार सत्कार आपके द्वार' के अंतर्गत अब महानगर के साथ-साथ जनपद की तहसील एवं ग्रामीण क्षेत्रों में भी

साहित्यकारों को सम्मानित किया जाएगा। इस अवसर पर अक्टूबर



माह के अंक का विमोचन किया गया। यह अंक वरिष्ठ साहित्यकार मीरा सिन्हा के साहित्यिक व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर केंद्रित है। बैठक के पश्चात कवि गोष्ठी का आयोजन हुआ, जिसमें उपस्थित कवियों ने अपनी भावपूर्ण रचनाओं का पाठ कर साहित्यिक वातावरण को सरस बना दिया। उपसंपादक डॉ.

रामलखन चौरसिया, सह-संपादक रवीन्द्र कुशवाहा, डॉ. रामसुख यादव, सदस्य शम्भूनाथ श्रीवास्तव 'शम्भु' तथा पत्रिका के संपादक एवं वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. भगवान प्रसाद उपाध्याय ने अपनी कविताएं प्रस्तुत की। कार्यक्रम के आरंभ में डॉ. योगेन्द्र कुमार मिश्र 'विवक्षबंध' ने उपस्थित सभी सदस्यों का स्वागत किया। अंत में रेखा मिश्र ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

### आरसीआरजे का पुष्पधर से 2100 किलो फूलों का पुनर्वक्रण



मुंबई। रोटरेक्ट क्लब ऑफ आर.जे. कॉलेज, घाटकोपर द्वारा गणपति उत्सव के दौरान पुष्पधर पहल का सफल आयोजन किया गया। इस अभियान के तहत टीम ने गणपति उत्सव के दौरान विभिन्न गणपति पंडालों, कृत्रिम तालाबों और विसर्जन स्थलों से करीब 2100 किलो फूलों का कचरा एकत्र किया। यह अभियान बीएमसी एन वार्ड के सहयोग से चलाया गया। एकत्रित फूलों को केशव सृष्टि को पुनर्वक्रण के लिए सौंपा गया। इन फूलों से प्राकृतिक रंग, अगरबत्ती और अन्य पर्यावरण-अनुकूल उत्पाद बनाए जाएंगे। इस पहल का उद्देश्य फूलों के कचरे को कम करना, उसका पुनः उपयोग करना और पर्यावरण संरक्षण के प्रति नागरिकों में जागरूकता बढ़ाना था। अभियान को सफल बनाने में रोटरेक्टर्स सबा अंसारी, प्रियंका गुप्ता, सेजल, ओजश, शुभम मिश्रा, आदित्य कावडे, मनीष यादव, अबदुल्ला नूर, सकेत शर्मा, प्रिंस पांडे और किशोर जैसवार के साथ बीएमसी एन वार्ड के कर्मचारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

### शुभम नागरि सहकारी पत संस्था की 29वीं वार्षिक सभा संपन्न



मुंबई। विक्रोली पार्क साइट स्थित शुभम नागरि सहकारी पत संस्था मर्या.की 29वीं वार्षिक सर्वसाधारण सभा रविवार को संस्था कार्यालय में चेयरमैन राजकुमार तिवारी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। सभा में संस्था के कार्यकारी मंडल के सदस्यों, सभासदों एवं गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति रही। इस अवसर पर संस्था के पदाधिकारियों द्वारा गत वर्ष का लेखा-जोखा एवं वार्षिक अहवाल प्रस्तुत किया गया। सभा में संस्था के कार्यों एवं प्रगति से संबंधित विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई। कार्यक्रम में संस्था अध्यक्ष राजकुमार तिवारी, सचिव ध्रुव कुमार तिवारी, कोषाध्यक्ष रामश्रृंगार तिवारी, हेड ब्रांच मैनेजर सतीश तिवारी, यंत्री प्रसाद शर्मा,घाटकोपर ब्रांच हेड आशीष तिवारी,रयामूर्ति मिश्रा,रामश्रृंगार उपाध्याय, बजरंगी तिवारी,संतोष तिवारी, प्रबन्ध तिवारी,एड डी आर मिश्रा,एड अशोक दुबे,चक्रकार आदेश मिश्र,शिवम तिवारी, गोविन्द सैद, रवेश शुक्ल,घनश्याम पादक, श्रीराम गुप्ता, ऋषभ मिश्रा, अखिलेश तिवारी, अशोक तिवारी, अशोक पांडेय,प्रमोद पांडेय, राजकुमार सिंह, रामभवन पांडेय, दिवाकर मिश्रा, मनीष तिवारी सहित संस्था के पदाधिकारी, सभासद एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

### कक्षा से शोध तक गुणवत्ता ही पीयू की पहचान : कुलपति



जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता को और अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य से कुलपति प्रो. आर.के. सिंह ने सोमवार को इंजीनियरिंग संकाय स्थित विभिन्न विभागों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विभागाध्यक्षों, शिक्षकों, कर्मचारियों एवं शोधार्थियों से संवाद कर विभागों में संचालित शैक्षणिक, शोध एवं प्रशासनिक गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के दौरान कुलपति ने विभागों में नियमित कक्षाओं के संचालन, विद्यार्थियों की उपस्थिति, पठन-पाठन की स्थिति, शोध गतिविधियों, प्रयोगशालाओं एवं उपलब्ध संसाधनों, कार्यालयी कार्यों तथा आधारभूत सुविधाओं की समीक्षा की। उन्होंने विभागों में स्वच्छता, अनुशासन और समयबद्ध कार्यप्रणाली बनाए रखने पर विशेष जोर दिया। कुलपति प्रो. आर.के. सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता केवल भवनों, संसाधनों या व्यवस्था से नहीं, बल्कि कक्षा में होने वाले गुणवत्तापूर्ण संवाद, नियमित पठन-पाठन, शोध की सक्रियता और विद्यार्थियों के समग्र विकास से तय होती है। इसलिए विश्वविद्यालय के सभी विभागों को एक-दूसरे के साथ समन्वय स्थापित करते हुए गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक वातावरण के निर्माण के लिए निरंतर प्रयास करना होगा। उन्होंने कहा कि कक्षा विश्वविद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था का केंद्र है और विद्यार्थी उसकी सबसे महत्वपूर्ण इकाई हैं। शिक्षकों का दायित्व है कि वे विद्यार्थियों से निरंतर संवाद करते हुए उनकी शैक्षणिक समस्याओं को समझें और उनके समाधान के लिए प्रभावी प्रयास करें। विद्यार्थियों की उपस्थिति, नियमित कक्षाओं और गुणवत्तापूर्ण अध्ययन को किसी भी स्थिति में नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। निरीक्षण के दौरान कुलपति ने कई कक्षाओं में जाकर विद्यार्थियों से सीधे संवाद किया। उन्होंने विद्यार्थियों से पठन-पाठन, कक्षाओं की नियमितता और विभागीय शैक्षणिक गतिविधियों के संबंध में जानकारी ली तथा उनकी समस्याओं और सुझावों को भी सुना। उन्होंने शिक्षकों को विद्यार्थियों के साथ सहज एवं सकारात्मक संवाद बनाए रखने के निर्देश दिए। इस अवसर पर इंजीनियरिंग संकाय के संकायाध्यक्ष प्रो. सौरभ पाल, डलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. रजनीश भारकर सहित विभिन्न विभागों के शिक्षक एवं संबंधित कर्मचारी उपस्थित रहे।

### एक करोड़ की कोडीन कफ सिरप बरामद, एसटीएफ ने तीन आरोपियों को दबोचा

प्रयागराज (उत्तरशक्ति)। एसटीएफ की प्रयागराज फील्ड इकाई ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कथित रूप से कोडीनयुक्त कफ सिरप और जेनेरिक दवाओं की तस्करी करने वाले गिरोह के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया है। टीम ने आरोपियों के कब्जे से 19,338 शीशी कोडीन कफ सिरप और 61,600 जेनेरिक टैबलेट बरामद की हैं। बरामद माल की अनुमानित कीमत करीब एक करोड़ रुपये बताई गई है। तस्करी में प्रयुक्त टाटा नेक्सॉन कार भी कब्जे में की गई है। एसटीएफ के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों की पहचान आशुतोष तिवारी उर्फ प्रवेश तिवारी, निवासी अयोध्या, हाल पता धूमनगंज प्रयागराज, तथा अंकेश कुमार और अमित प्रजापति, दोनों निवासी जयप्रमपुर, सूबेदारगंज, धूमनगंज, प्रयागराज के रूप में हुई है।

एसटीएफ को 27 सितंबर की रात सूचना मिली थी कि एयरपोर्ट थाना क्षेत्र के कटहुला गौसपुर स्थित एक मकान में अवैध कोडीनयुक्त कफ सिरप और अन्य दवाओं का भंडारण किया गया है। सूचना पर टीम ने सहायक पुलिस आयुक्त धूमनगंज और औषधि निरीक्षकों के साथ मकान की तलाशी ली। इस दौरान भारी मात्रा में कफ सिरप और टैबलेट बरामद होने पर तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया।

पुछताछ में आरोपियों ने कथित तौर पर दिल्ली से कफ सिरप और जेनेरिक दवाएं मंगाकर प्रयागराज में किराये के मकान में डंप करने की जानकारी दी। एसटीएफ का दावा है कि सलायक की पहचान छिपाने के लिए कफ सिरप की शीशियों पर दर्ज बैच नंबर को ग्राइंडर से मिटाया जाता था। इसके बाद माल को बोरीयों में भरकर कार से स्थानीय बाजारों के साथ आसपास के जिलों और अन्य राज्यों में भेजा जाता था।

कारवाई में 95 खाली बोरीयां, दो टूट किट/डाई ग्राइंडर और तीन मोबाइल फोन भी बरामद हुए हैं। एसटीएफ के अनुसार आरोपियों के खिलाफ एयरपोर्ट थाने में मुकदमा अपराध संख्या 150/2026 के तहत एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/21/22 में मुकदमा दर्ज किया गया है। मामले में आगे की जांच स्थानीय पुलिस कर रही है। एसटीएफ अन्य आरोपियों और दवाओं की पूरी आपूर्ति श्रृंखला की भी जांच कर रही है।

### सात समंदर पार जीवंत हुई महाराष्ट्र की संस्कृति, बर्लिन में गुंजा 'गणपति बप्पा मोरया'

मुंबई/बर्लिन। जर्मनी की राजधानी बर्लिन में भारतीय संस्कृति की अनूठी छटा देखने को मिली, जहां गणेश उत्सव बेहद धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। बर्लिन की सड़कों पर जब 'गणपति बप्पा मोरया' और 'मंगलमूर्ति मोरया' के जयकारे गुंजे, तो पूरा माहौल भक्तिमय हो गया। इस भव्य आयोजन में प्रवासी भारतीयों, विशेषकर महाराष्ट्र से जुड़े परिवारों ने बहु-चढ़कर हिस्सा लिया और विदेशी धरती को पूरी तरह से महाराष्ट्र के पारंपरिक रंग में रंग दिया।

उत्सव के दौरान भारतीय समुदाय का उत्साह देखते ही बनता था। महिला-पुरुष और बच्चे पारंपरिक महाराष्ट्रीयन परिधानों—जैसे नौवारी साड़ी, कुर्ता-पायजामा और सिर पर केसरी फेंटा (पगड़ी) पहने नजर आए। सड़कों पर निकले विशाल जुलूस में लोग ढोल-नगाड़ों



की थाप पर जमकर थिरके। पारंपरिक वाद्यों की गुंज और लेडिगम नृत्य ने वहां मौजूद स्थानीय जर्मन नागरिकों को भी मंत्रमुग्ध कर दिया, जो इस अनूठे सांस्कृतिक उत्सव को अपने कैमरों में कैद करते दिखे। इस वर्ष के उत्सव का मुख्य केंद्र बर्लिन में नर्वनिर्मित श्री गणेश मंदिर रहा। इस नए मंदिर परिसर में बप्पा के

स्वागत के लिए विशेष और भव्य धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए थे। उत्सव के मुख्य आकर्षण के रूप में आयोजित हुई महा आरती में जर्मनी में भारत के राजदूत अजीत गुप्ते और उनकी धर्मपत्नी प्रीति गुप्ते ने विशेष रूप से भाग लिया।

उन्होंने भगवान गणेश की पूजा-अर्चना कर देश और दुनिया में सुख,

### मऊ : हाईटेंशन तार की चपेट में आने से दुल्हे के भाई समेत तीन की मौत,

मऊ (उत्तरशक्ति)। जिले के दक्षिण टोला थाना के इस्लामाबाद मोहल्ले में सोमवार की दोपहर दर्दनाक हादसा हुआ। हाईटेंशन तार की चपेट में आने से शुलसकर दुल्हे का भाई महमूद (25), कामिल (23) और इरफान (20) की मौत हो गई। शادی समारोह के लिए मकान की छत पर टेंट लगाते समय लोहे की पाइप बिजली के तार में छू गई। जिससे तीनों के शरीर में करंट उतरने से हादसा हुआ।

वहीं घर और आसपास के दो और घरों में करंट उतरने से दीवारें घनघनाने लगीं। सुहल्लेवासियों ने फोन करके बिजली सप्लाई बंद कराई। करंट की चपेट में आए लोगों के शरीर के जिन हिस्सों पर टेंट लोगों की पाइप पड़ी थी करीब 10 मिनट तक

वो हिस्सा जलता रहा। सूचना पर पहुंची पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने पंचनामा बनाकर शवों को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भिजवाया। इस्लामाबाद मोहल्ला निवासी अबूल हसन के बड़े बेटे बरकतुल्लाह की शादी मोहल्ले में ही एक युवती के साथ तय थी।

सोमवार की सुबह 10 बजे युवती के घर बरात पहुंची और शادی संपन्न हुई। शाम को विदाई की तैयारी चल रही थी और मंगलवार को अबूल हसन के घर दावत की तैयारी शुरू हो गई थी। दोपहर दो बजे घर की सभी महिलाएं दुल्हन के घर दावत खाने पहुंचीं। इधर, घर छाली होने के बाद मकान की छत पर टेंट लगाने का काम शुरू हो गया। जफरनगर

मोहल्ला निवासी कामिल और इरफान टेंट के लिए लोहे की पाइप लगाना शुरू कर दिए। अचानक तेज हवा के कारण पाइप इधर-उधर भाग रही थीं। संभालने के लिए जैसे ही दुल्हे का भाई महमूद ने पाइप पकड़ा 10 फीट ऊपर से गुजरे हाईटेंशन तार में लोहे की पाइप टकरा गई और तेज धमाका हुआ। मोहल्ले के लोगों ने फोन करके बिजली की सप्लाई कटवाई और छत पर पहुंचे। सीओ सिटी नितेश प्रताप सिंह ने बताया कि तीनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। वहां हंगामा न हो इसके लिए चार थानों की पुलिस फोर्स तैनात कर दी गई है। उच्चाधिकारी लगातार परिजनों से बातचीत कर रहे हैं।

### कामगारों की सुविधाओं को लेकर शिवसेना कामगार पदाधिकारियों की बैठक संपन्न



नालासोपारा। पालघर जिला शिवसेना कामगार संगठन की ओर से कामगारों को उनके अधिकार एवं विभिन्न सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से नालासोपारा पूर्व स्थित कार्यालय में बैठक आयोजित की गई। बैठक में कामगारों को मिलने वाले वैधानिक लाभों की उपलब्धता तथा कंपनियों द्वारा उन्हें दी जा रही

सुविधाओं को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में पालघर जिला शिवसेना कामगार अध्यक्ष शैलेश जाधव एवं उपाध्यक्ष सत्यप्रकाश मिश्रा (पिंटू) ने कामगारों के पीएफ, ग्रेज्युटी, ईएसआई सहित अन्य सुविधाओं से संबंधित विषयों पर चर्चा की। सत्यप्रकाश मिश्रा ने कहा कि यदि किसी कंपनी में कामगारों को

नियमानुसार सुविधाएं नहीं मिल रही हैं, तो इसके लिए एक टीम गठित कर सर्वे किया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि सर्वे के माध्यम से ऐसी कंपनियों की सूची तैयार की जाएगी, जहां कामगारों को निर्धारित सुविधाओं से वंचित रखा जा रहा है। इसके बाद संबंधित कंपनी का पता एवं आवश्यक जानकारी जुटाकर संबंधित अधिकारियों से संपर्क किया जाएगा, ताकि पात्र कामगारों को उनकी सुविधाएं एवं अधिकार दिलाने के लिए आवश्यक कार्रवाई की जा सके। बैठक में लोकेश बेंद्रे, राहुल सावंत एवं अमोल पाटील सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान संबंधित अधिकारियों से संपर्क कर कामगारों की समस्याओं को आगे रखने की जिम्मेदारी भी पदाधिकारियों को सौंपी गई।

### आरआर काबेल की सीएसआर पहल रोशनी ने शुरू किया महिला स्वावलंबन केंद्र



पालघर। आरआर काबेल की सीएसआर पहल रोशनी ने केशव सृष्टि के सहयोग से आदिवासी महिलाओं के लिए समर्पित कॉमन फैसिलिटी सेंटर महिला स्वावलंबन केंद्र की शुरुआत की है। इस केंद्र का उद्घाटन आरआर ग्लोबल समूह की श्रीमती रत्नादेवी रामेश्वरलाल काबरा ने किया। यह केंद्र महाराष्ट्र के पालघर जिले के जवाहर स्थित केशव सृष्टि ऑक्सीजन पार्क, बालकापारा में बनाया गया है। इस केंद्र के माध्यम से महिला तीन वर्षों में 350 आदिवासी अंगलतीन को बांस आधारित कौशल, उत्पाद विकास और उद्यमिता का प्रशिक्षण दिया जाएगा। महिलाओं को साझा कार्यस्थल के साथ-साथ पर्यावरण अनुकूल बांस उत्पाद तैयार करने और उनके विपणन के अवसर भी उपलब्ध कराए जाएंगे। इसका उद्देश्य महिलाओं को घर के आसपास ही टिकाऊ रोजगार और आजीविका के अवसर उपलब्ध करारकर उनकी आर्थिक आत्मनिर्भरता बढ़ाना है। साथ ही, इससे ग्रामीण उद्यमिता और स्थानीय रोजगार को भी बढ़ावा मिलेगा।



आरआर ग्लोबल की निदेशक कीर्ति काबरा ने कहा, रोशनी में हमारा मानना है कि सशक्तीकरण की शुरुआत लोगों को आत्मनिर्भर बनने के साधन उपलब्ध कराने से होती है। आदिवासी महिलाओं में उद्यम खड़ा करने के लिए कौशल, धैर्य और दृढ़ता है, लेकिन अक्सर उन्हें सीखने, काम करने और अपने उत्पाद बेचने के लिए उचित मंच की जरूरत होती है। बांस हमारी संस्कृति और यहां के लोगों की परंपराओं से गहराई से जुड़ा है। इसलिए स्थानीय स्तर पर टिकाऊ आजीविका के अवसर पैदा करने के लिए यह एक स्वाभाविक माध्यम है। महिला स्वावलंबन केंद्र इन महिलाओं को उनके घर और परिवार के करीब यह

समृद्धि तथा शांति की कामना की।

जर्मनी स्थित भारतीय दूतावास ने 27 सितंबर को सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, बर्लिन में बने नए गणेश मंदिर में राजदूत अजीत गुप्ते और श्रीमती प्रीति गुप्ते ने महा आरती में हिस्सा लिया। महा आरती से पहले, युवा भारतीय समुदाय के लोगों ने पारंपरिक नृत्य और संगीत के साथ एक शानदार सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किया। इसमें सैकड़ों भारतीय मूल के लोगों और जर्मन दोस्तों ने भाग लिया। इस तरह के आयोजनों का उद्देश्य न केवल अपनी जड़ों से जुड़े रहना है, बल्कि विदेशी धरती पर पल रही नई पीढ़ी को भारतीय संस्कृति और मूल्यों से परिचित कराना भी है। यह उत्सव बर्लिन में रहे भारतीयों की एकजुटता और सांस्कृतिक गौरव का एक बेजोड़ प्रतीक बन गया है।

### 150 किस्म के आम उगाकर प्रदेश स्तर पर सम्मानित हुए जौनपुर के किसान, सरकारी योजनाओं से बदली किस्मत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद के विकास खंड सिकरारा के ग्राम पंचायत बिशनपुर निवासी प्रगतिशील किसान सुर्यमणि यादव और उनके पुत्र अनिल यादव ने आम की बागवानी में एक नई मिसाल पेश की है। उनके बगीचे में लगभग 150 प्रकार की आम की प्रजातियां उपलब्ध हैं। इस विशिष्ट उपलब्धि के लिए किसान सुर्यमणि यादव को आम महोत्सव-2026 में माननीय मुख्यमंत्री द्वारा प्रदेश स्तर पर सम्मानित किया गया है। अनिल यादव ने बताया कि उन्होंने अपने बगीचे का विकास शासन की विभिन्न योजनाओं के सहयोग से किया है। एकीकृत बावानी विकास मिशन योजना के तहत उन्हें बगीचा

### कानपुर में सपा का ठण्ड जेन जी संवाद संपन्न, युवाओं संग बेहतर भविष्य पर हुई चर्चा



कानपुर ( उत्तरशक्ति )। शहर के प्रतिष्ठित होटल रॉयल क्लिफ में समाजवादी पार्टी (सपा) द्वारा आयोजित 'NEO जेन जी संवाद कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एवं वक्ता के रूप में मछलीशहर की विधायक डॉ. रागिनी सोनकर ने सहभागिता की और युवाओं से सीधे संवाद किया। संवाद के दौरान देश के बेहतर कद तथा सशक्त और समावेशी भविष्य के निर्माण को लेकर युवाओं के साथ विस्तृत चर्चा हुई। कार्यक्रम में मौजूद युवाओं ने विभिन्न राष्ट्रीय एवं सामाजिक मुद्दों पर अपने विचार, दृष्टिकोण और सुझाव साझा किए। इस अवसर पर डॉ. रागिनी सोनकर ने कहा कि युवा देश का भविष्य हैं। उनकी ऊर्जा, विचार और सक्रिय भागीदारी भारत के विकास को नई दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। उन्होंने कहा कि युवाओं के सुझावों और सहभागिता से मजबूत एवं समावेशी समाज के निर्माण को गति मिल सकती है। कार्यक्रम के समापन पर डॉ. रागिनी सोनकर ने इस आयोजन के लिए समाजवादी पार्टी की वरिष्ठ नेता श्रीमती जूही सिंह का विशेष आभार व्यक्त किया। उन्होंने कार्यक्रम में आमंत्रित करने के लिए जूही सिंह को धन्यवाद भी दिया।

### स्थापित करने के लिए लगभग 50 प्रतिशत अनुदान प्राप्त हुआ है। सिंचाई के लिए पर ड्रॉप मोर क्रांप योजना के अंतर्गत 90 प्रतिशत अनुदान पर ड्रिप और स्पिंकलर प्रणाली की सुविधा मिली है।

उन्होंने बताया कि ड्रिप सिंचाई से कम परिश्रम और कम जल में पौधों की जड़ों तक सीधे पानी और उर्वरक पहुंच जाता है, जिससे फसल की गुणवत्ता बढ़ी है और लागत कम हुई है। इसके अतिरिक्त बगीचे की सुरक्षा के लिए फेंसिंग हेतु 50 प्रतिशत अनुदान प्राप्त हुआ है। वर्तमान में वह बगीचे से ही नए पौधे तैयार करने के लिए लघु पौधशाला की स्थापना कर रहे हैं, जिसका कार्य प्रगति पर है।

अनिल यादव ने इस सफलता का श्रेय जिला उद्यान अधिकारी कार्यालय, जौनपुर एवं उनकी टीम को दिया।

उन्होंने बताया कि कार्यालय द्वारा समय-समय पर तकनीकी मार्गदर्शन और विशेष सहयोग प्रदान किया जाता रहा है। उन्होंने किसानों के हित के लिए संचालित योजनाओं के लिए मुख्यमंत्री जी के प्रति आभार व्यक्त किया है। जिला उद्यान अधिकारी सीमा सिंह राणा ने जनपद के अन्य किसान भाइयों से अपील की है कि वे बेहतर बागवानी के लिए अपने नजदीकी जिला उद्यान अधिकारी कार्यालय से संपर्क करें और शासन द्वारा संचालित जनहितकारी योजनाओं का लाभ उठाएं।

### जोन मीट डिस्ट्रिक्ट गवर्नर एडवाइजरी कमेटी की बैठक संपन्न



लायनवाद को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा। उन्होंने सेवा कार्यों को और प्रभावी बनाने तथा आपसी समन्वय के साथ कार्य करने पर जोर दिया। बैठक में लायंस गोमती के अध्यक्ष ला. सैय्यद हसनैन कमर दीपू, लायंस पवन के निवर्तमान अध्यक्ष ला. डॉ. सूरज जायसवाल, लायंस

लायंस क्लबों के सेवा कार्यों की सराहना, वृहद रक्तदान शिविर आयोजित करने पर जोर

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। लायंस क्लब्स इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 321ए की जोन मीट डिस्ट्रिक्ट गवर्नर एडवाइजरी कमेटी मीटिंग (T2) नगर के एक होटल में आयोजित हुई। बैठक में जोन चेयरपर्सन एमजेएफ संजीव साहू ने अपने जोन के अंतर्गत आने वाले विभिन्न लायंस क्लबों के पदाधिकारियों के साथ बैठक कर लायंस क्लब्स इंटरनेशनल के मिशन 1.5 पर चर्चा की। इस दौरान उन्होंने क्लबों द्वारा किए जा रहे विभिन्न सेवा कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि लायंस क्लब हमेशा सेवा कार्यों में अग्रणी भूमिका निभाता रहा है। उन्होंने सभी क्लबों से मिलकर एक वृहद रक्तदान

### कृषि विज्ञान केन्द्र बक्शा पर कृषि विभाग जौनपुर द्वारा एक दिवसीय मिलेट्स मेला का आयोजन कराया गया

जौनपुर ( उत्तरशक्ति )। उप कृषि निदेशक ने अवगत कराया है कि कृषि विज्ञान केन्द्र बक्शा पर कृषि विभाग द्वारा एक दिवसीय मिलेट्स मेला का आयोजन कराया गया। उप कृषि निदेशक डा0 अश्वनी कुमार सिंह ने मेले में आये हुये सभी आगन्तुक कृषको का स्वागत करते हुये कृषि विभाग द्वारा संचालित योजनाओ के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान किया। कृषि विज्ञान केन्द्र बक्शा के वरिष्ठ वैज्ञानिको द्वारा मिलेट्स के प्रति लोगो को जागरूक किया गया।

मेले के मुख्य अतिथि विधायक, बदलापुर रमेश चन्द्र मिश्र द्वारा प्रतिभाग किया गया, एवं अपने उद्बोधन में मिलेट्स की उपयोगिता की बात करते हुये उन्होने कहा कि आम जन मानस को बिमारियो से बचने के लिये, शरीर में रोग प्रतiroधक क्षमता बढ़ाने के लिये, दीघायु के लिये मिलेट्स को अपने भोजन में शामिल किया जाना नितान्त आवश्यक है। उन्होने बताया कि



मिलेट्स को भोजन में शामिल करने से शरीर को फाईबर के साथ भरपूर पोषण मिलता है, जिससे कैंसर, मधुमेह जैसे घावक बिमारियो से बचा जा सकता है। मुख्य अतिथि ने सरकार द्वारा चलाई जा रही मिलेट्स योजना की प्रशंसा करते हुय लोगो से कहा कि योजना से जुडकर जानकारी आम जन मानस को बिमारियो से बचने के लिये, शरीर में रोग प्रतiroधक क्षमता बढ़ाने के लिये, दीघायु के लिये मिलेट्स को अपने भोजन में शामिल किया जाना नितान्त आवश्यक है। उन्होने बताया कि

भा0ज0पा0 डा0 अजय सिंह, पूर्व जिलाध्यक्ष सुशील उपाध्याय, विनय सिंह, जिला कृषि अधिकारी, विवेक कुमार, जिला कृषि रक्षा अधिकारी, से जिला उद्यान अधिकारी डा0 सीमा सिंह राणा, वरिष्ठ वैज्ञानिक डा0 आर0 के0 सिंह, डा0 अमित कुमार, डा0 सुरेन्द्र सोनकर, डा0 सदीप कुमार, डा0 राजीव कुमार, डा0 हरिओम वर्मा, डा0 रत्नाकर पाण्डेय एवं सम्मानित कृषकगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन पूरा व्लाक प्रमुख, बक्शा जय प्रकाश सिंह ”राणा ”द्वारा किया गया।



**डा0 मोहम्मद अकमल**  
(फिजिशियन)  
पता - मानीकलां, जौनपुर



**डा0 अयू फेमल**  
MBBS, Ortho PGDS  
हड्डी और जोड़ों रोग विशेषज्ञ  
समय - सुबह 9 बजे से 11 बजे तक (सोमवार, बुधवार)



**डा0 एम के वर्मा**  
P.G.D.C. (Dr. P.G.D.C.)  
(एन सी डिप्लोमा)  
समय - 11 बजे से 2 बजे तक (सोमवार, बुधवार)



**डा0 मोहम्मद अब्दुल्लाह**  
(सी रोग विशेषज्ञ)  
समय - सुबह 9 बजे से 11 बजे तक (सोमवार, बुधवार)



**डा0 यसीरा अली**  
MBBS, MS (Job & Gyna Surgeon)  
सी रोग और बायोन स्पेशलिटी (Infertility)  
समय - सुबह 9 बजे से 11 बजे तक (सोमवार)



**डॉ. मोहम्मद अंजद**  
एम.बी.बी.एस.  
जनरल फिजिशियन

डिजिटल एक्स-रे, कम्प्यूटराइज्ड पैथोलॉजी, E.C.G., हृदय रोग विशेषज्ञ, चैस्ट रोग विशेषज्ञ, हड्डी रोग विशेषज्ञ, स्त्री रोग विशेषज्ञ, दन्त चिकित्सक फिजियोथेरापी, डिलेवरी (नार्मल, सिजेरियन) दूरबीन विधि से पित्ताशय में पथरी, अपेंडिक्स, बच्चादानी, हाइड्रोसेल का ऑपरेशन भर्ती की सुविधा।

**पता - मानीकलां, जौनपुर** **9451610571, 7380850571**

## मधुमक्खी पालन से समृद्ध मौर्या ने खड़ी की सफलता की मिसाल



जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विकासखंड सिकरारा के सैदनपुर गांव निवासी समृद्ध मौर्या ने पारंपरिक मधुमक्खी पालन को आधुनिक तरीके से व्यवसाय का रूप देकर अपनी अलग पहचान बनाई है। परिवार में वर्ष 1992 से चले आ रहे मधुमक्खी पालन से उन्होंने आगे बढ़ाते हुए इसे बड़े स्तर पर शुरू किया। इसमें उद्यान विभाग की एकीकृत बागवानी मिशन (हनी मिशन) योजना का सहयोग मिला। समृद्ध मौर्या के अनुसार उनके पिता वर्ष 1992 से मधुमक्खी पालन करते आ रहे हैं। पिता से प्रेरणा लेकर उन्होंने भी इस व्यवसाय को अपनाया। योजना के तहत मिले 40 प्रतिशत अनुदान से उन्होंने मधुमक्खी पालन के संसाधनों में वृद्धि की और व्यवसाय को व्यवस्थित रूप से आगे बढ़ाया। वर्तमान में एक मधुमक्खी बाँक्स से सालाना में औसतन 40 से 50 किलोग्राम बड़ाया जाता है। अपने उत्पाद को बाजार में अलग पहचान देने के लिए उन्होंने समृद्ध बी फार्म नाम से शहद की पैकिंग शुरू की है। उनका शुद्ध शहद जौनपुर के विभिन्न कार्टरों और दुकानों पर उपलब्ध है। समृद्ध मौर्या ने बताया कि सरकारी योजनाओं और उद्यान विभाग के सहयोग से उन्हें मधुमक्खी पालन को विस्तार देने में काफी मदद मिली है। उन्होंने सरकार और उद्यान विभाग के प्रति आभार जताया जिला उद्यान अधिकारी सीमा सिंह रणा ने किसानों से अपील की कि वे बागवानी एवं कृषि आधारित व्यवसाय को बढ़ावा देने के लिए अपने नजदीकी जिला उद्यान अधिकारी कार्यालय से संपर्क करें और शासन की योजनाओं का लाभ उठाएं।

## यादव मेधावी छात्रों का सम्मान, मार्गदर्शन समारोह संपन्न



**मुंबई (उत्तरशक्ति)।** उत्तर यादव युवा संघ (रजि.) दक्षिण मध्य मुंबई जिला के तत्वावधान में यादव मेधावी छात्र प्रोत्साहन एवं मार्गदर्शन समारोह का आयोजन रविवार, 27 सितंबर 2026 को वाडाला पूर्व स्थित सतीषी माता मंदिर सोसायटी, गणेश गली में किया गया। समारोह में बड़ी संख्या में मेधावी छात्र-छात्राएं अपने माता-पिता एवं अभिभावकों के साथ उपस्थित हुए।

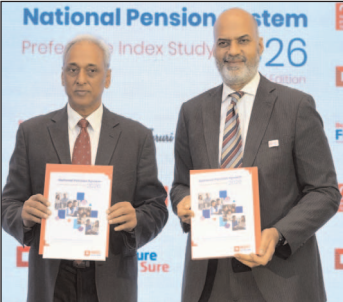
समारोह में विद्यार्थियों को उनकी शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए ट्रॉफी, मेडल, सम्मान-पत्र एवं शान-दुआला देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने मंच पर अपना परिचय देते हुए अपनी पढ़ाई, उपलब्धियों तथा भविष्य की योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। अतिथियों ने विद्यार्थियों को शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर आगे बढ़ने तथा अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने का मार्गदर्शन दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संघ के राष्ट्रीय सचिव एवं कल्याण जिला अध्यक्ष जितेंद्र जगरदेव यादव ने की। समारोह का संचालन जिला पदाधिकारी विजय यादव (वडाला) तथा संघ के क्षेत्रीय शिक्षा समिति के अध्यक्ष शिवनारायण रामबरन यादव (विवार) ने बारी-बारी

से किया।

समारोह में प्रमुख अतिथि के रूप में संघ के संस्थापक-अध्यक्ष अमरजीत श्रीनाथ यादव उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथियों में कुमारी सरिता सिद्धराम यादव (वडाला), राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष लालमणि भगेलराम यादव, राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष अभयराज मुनीलाल यादव, राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कैलाश चंद्रधारी यादव, आजमगढ़ जिला अध्यक्ष एवं पूर्व ग्राम प्रधान कैलाशनाथ यादव, रामदुलार जगन्नाथ यादव (आर.डी.), राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजकुमार रामनिहोर यादव, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुरेश दाताप्रसाद यादव, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं उत्तर मध्य मुंबई जिला सलाहकार सुरेशचंद्र मंदीलाल यादव (साकीनका), सिद्धराम महावीर यादव तथा रामबहादुर हरिश्चंद्र यादव सहित अनेक पदाधिकारी एवं समाज के गणमान्य लोग मौजूद रहे। मेधावी विद्यार्थियों के सम्मान के बाद अतिथियों ने उन्हें उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। संस्थापक-अध्यक्ष अमरजीत श्रीनाथ यादव ने समारोह की सारांश करते हुए कहा कि कम समय में कार्यक्रम को व्यवस्थित एवं सुंदर ढंग से आयोजित

## भारतीय अब भी रिटायरमेंट के लिए जरूरी धन काकम लगाते हैं अनुमान

एचडीएफसी पेंशन के एनपीएस प्रेफरेंस इंडेक्स 2026 में खुलासा मुंबई। एचडीएफसी पेंशन फंड मैनेजमेंट लिमिटेड, भारत की प्रमुख पेंशन फंड मैनेजमेंट कंपनियों में से एक, ने आज अपने प्रमुख रिसर्च पेपर एनपीएस प्रेफरेंस इंडेक्स स्टडी 2026' का दूसरा संस्करण जारी किया। इस शोध में रिटायरमेंट प्लानिंग को लेकर भारतीयों के व्यवहार और रिटायरमेंट की तैयारी के लिए नेशनल पेंशन सिस्टम (एनपीएस) को लेकर उनकी पसंद से जुड़े महत्वपूर्ण तथ्य सामने आए हैं। विस्तृत रिपोर्ट पेंशन फंड रेगुलैटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी (पीएफआरडीए) के चेयरपर्सन एस. रामन् और एचडीएफसी पेंशन फंड मैनेजमेंट लिमिटेड के एमडी एवं सीईओ श्रीराम अय्यर ने जारी की। 2026 के अध्ययन के अनुसार भारत की एनपीएस प्रेफरेंस इंडेक्स 57 हो गया है। 2023 में पहली बार किए गए अध्ययन में यह 54 था। यानी इसमें तीन अंकों की बढ़ोतरी हुई है। यह बढ़ोतरी मुख्य रूप से



कंसिडरेशन (विचार करने की बढ़ती प्रवृत्ति) में हुई बढ़ोतरी से आई है। यह छह अंक बढ़कर 59 हो गया। इसके बाद जानकारी 58 रही, जो तीन अंक बढ़ी है और अपील (आकर्षण) 56 रही, जो दो अंक बढ़ी है। इससे पता चलता है कि भारतीय बचतकर्ता अब एनपीएस के बारे में सिर्फ जानकारी रखने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि इसे रिटायरमेंट के लिए एक विकल्प के तौर पर गंभीरता से देख रहे हैं। शोध टीम ने इन सभी आंकड़ों को 0 से 100 के पैमाने पर मापा है।

एनपीएस प्रेफरेंस इंडेक्स स्टडी 2026 जारी होने के मौके पर एचडीएफसी पेंशन फंड मैनेजमेंट लिमिटेड के एमडी एवं सीईओ श्रीराम अय्यर ने कहा, भारत में रिटायरमेंट की तैयारी लगातार बढ़ रही है। इसमें पेंशन क्षेत्र और नियामक की भूमिका महत्वपूर्ण है। हमारी जिम्मेदारी है कि हम ऐसा बेहतर उत्पाद उपलब्ध कराएं, जिससे भारतीय अपने रिटायरमेंट के लिए मजबूत पड़ तैयार कर सकें। मेरा मानना है कि यह रिपोर्ट, जिसमें एनपीएस को लेकर उपभोक्ताओं के व्यवहार और सोच से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारीयें हैं, भारतीयों को अपना रिटायरमेंट पढ़ तैयार करने में मदद करने के तरीके को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। प्रेफरेंस इंडेक्स में बढ़ोतरी यह बताती है कि हम सही दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। हालांकि, अभी भी काफी काम बाकी है ताकि लोगों को एनपीएस के जरिए

रिटायरमेंट प्लानिंग के फायदे बेहतर तरीके से समझाए जा सकें। एनपीएस प्रेफरेंस इंडेक्स एचडीएफसी पेंशन फंड' मैनेजमेंट लिमिटेड की ओर से शुरू किया गया एक विशेष अध्ययन है। इसे स्वतंत्र मार्केट रिसर्च कंपनी इप्सोस के साथ मिलकर तैयार किया गया है। 2026 के अध्ययन के लिए भारत के 13 शहरों में एनपीएस के बारे में जानकारी रखने वाले 1,812 उपभोक्ताओं से आमने-सामने बातचीत की गई। इसमें 30 से 55 वर्ष की उम्र वाले एसईसी-ए परिवारों को शामिल किया गया। यह अध्ययन पहली बार कंपनी ने 2023 में एनपीएस दिवस के मौके पर शुरू किया था। इसमें एनपीएस के प्रति उपभोक्ताओं की पसंद को तीन आधारों पर मापा जाता है— फैमिलियरिटी, अपील और कंसिडरेशन। इस अध्ययन को समय के साथ एनपीएस के प्रति लोगों की पसंद में होने वाले बदलाव को मापने के लिए जारी रखा जा रहा है।

### चारकोप कल्चरल एंड स्पोर्ट्स फाउंडेशन, सागरी सीमा मंच ने अक्सा तथा मार्वे बीच पर चलाया सफाई अभियान

मुंबई। इंटरनेशनल कोस्टल क्लीनलीनेस वीक के मौके पर, हर साल की तरह, चारकोप कल्चरल एंड स्पोर्ट्स फाउंडेशन और सागरी सीमा मंच ने मिलकर मुंबई के पश्चिमी उपनगरों में मशहूर अक्सा बीच और मार्वे बीच पर सफाई अभियान चलाया। यह पहल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'स्वच्छ भारत अभियान' से प्रेरणा लेकर बीच को साफ और सुंदर रखने के मकसद से की गई थी। इस अभियान में फाउंडेशन के 200 से ज्यादा वॉलंटियर्स के साथ-साथ अलग-अलग फील्ड के जाने-माने लोगों ने हिस्सा लिया। इस सफाई अभियान की शुरुआत कई जाने-माने लोगों ने की। जिसमें भाजपा जिल्हा अध्यक्ष दीपक बाला तावडे, उपाध्यक्ष शरद साठम एवम चारकोप कल्चरल एंड स्पोर्ट्स फाउंडेशन के प्रेसिडेंट सुनील अंकम, सेक्रेटरी सदीप कदम, वाइस प्रेसिडेंट सचिन नायक, जयश्री गाणात्रा, एस श्रीनिवास राज त्रिवेदी, अजीत डोंगरे, शिवाजी शेटी, बलराज दुबक, सागरी सीमा मंच दुर्गेश बोराडे, जयंत चव्हाण, मोहित, चंद्रु महात्रे और दूसरे पदाधिकारी स्वयंसेवकों ने अक्सा और मार्वे बीच से प्लास्टिक, कागज और दूसरा कचरा इकट्ठा करके 2 ट्रॉली से ज्यादा कचरा इकट्ठा किया। इकट्ठा किया गया सारा कचरा आगे सही तरीके से डिस्पोजल के लिए मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के कर्मचारियों को सौंप दिया गया। अनंत चतुर्दशी के डिसजिन के बाद, इस सफाई अभियान की वजह से अक्सा और मार्वे बीच एक बार फिर बहुत साफ और सुंदर दिखने लगे हैं। उक्त आशय की जानकारी सुनील अंकम अध्यक्ष, चारकोप कल्चरल एंड स्पोर्ट्स फाउंडेशन ने दी है।

### मोटोरोला ने अपने इट्स द टाइम टु मोटो कैपेन के तहत #BigBillionMotoDeals का ऐलान किया

मुंबई /नई दिल्ली, 28 सितंबर 2026: मोबाइल टेक्नोलॉजी में दुनिया भर में मशहूर और भारत का प्रमुख एआई स्मार्टफोन ब्रांड, मोटोरोला, प्लिनफार्ट की बिग बिलियन डेज सेल 2026 के दौरान अपने #BigBillionMotoRush ऑफर के तहत बेहतरीन और स्टाइलिश स्मार्टफोन्स पर जबर्दस्त फेस्टिव डिस्काउंट लेकर आया है। motorola edge 70 fusion के साथ 30 हजार रुपये के अंदर फ्लैगशिप फीचर्स से लेकर motorola edge 70 pro के साथ 40 हजार रुपये के अंदर असली फ्लैगशिप किलर तक motorola edge 70 pro+ के साथ 45 हजार रुपये के अंदर चार 50MP कैमरों का जबर्दस्त अनुभव motorola signature के साथ 60 हजार रुपये के अंदर सिनेमैचर-क्लास कैमरा; और moto g37 POWER के साथ 20 हजार रुपये के अंदर 3 दिन की बैटरी लाइफ वाला फोन—मोटोरोला इस त्योहार के सीजन को बेहतरीन कीमतों और बड़े अपग्रेड के नाम करने के लिए पूरी तरह तैयार है। प्लिनफार्ट पर यह सेल 27 सितंबर 2026 से शुरू हो चुकी है, जिससे ग्राहकों को अपना पसंदीदा मोटोरोला स्मार्टफोन खरीदने का शानदार मौका मिला है। पूरी सेल के दौरान ग्राहक मोटोरोला के विभिन्न डिवाइसेस पर आकर्षक बिग बिलियन डेज कीमतों का लाभ उठा सकते हैं।

### जी.एम. मोमिन कॉलेज स्टडी सेंटर में विद्यार्थियों का ओरिएंटेशन कार्यक्रम

भिंवंडी। यशवंतराव चव्हाण महाराष्ट्र मुक्त विद्यापीठ, नासिक के अंतर्गत संचालित के.एम.ई. सोसायटी के गुलाम मोहम्मद मोमिन विमेंस कॉलेज स्टडी सेंटर में शैक्षणिक वर्ष 2026-27 के बीए प्रथम वर्ष एवं एम्ए उर्दू प्रथम वर्ष के नवप्रवेशित विद्यार्थियों के लिए रविवार को रईस हाई स्कूल के उर्दू बसेरा हॉल में ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित किया गया। अध्यक्षता रईस हाई स्कूल एंड जूनियर कॉलेज के प्रधानाचार्य जिया-उर-रहमान अंसारी ने की। जिया-उर-रहमान अंसारी ने कहा कि दूरस्थ शिक्षा उन विद्यार्थियों के लिए अपनी अधूरी पढ़ाई पूरी करने का महत्वपूर्ण माध्यम है, जो विभिन्न कारणों से नियमित शिक्षा नहीं ले पाते।

विद्यार्थियों को इस अवसर का लाभ उठाते हुए मेहनत, अनुशासन और निरंतर अध्ययन पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने पुस्तकों को व्यक्ति निर्माण का महत्वपूर्ण साधन बताते हुए विद्यार्थियों को अध्ययन की आदत विकसित करने की प्रेरणा दी। स्टडी सेंटर के समन्वयक अब्दुल अजीज अंसारी ने केंद्र की शैक्षणिक गतिविधियों एवं उपलब्धियों की जानकारी देते हुए नवप्रवेशित विद्यार्थियों का स्वागत किया और शिक्षकों का परिचय कराया।

### 50 छात्रों का निशुल्क प्रवेश और 10 जरूरतमंद परिवारों के बच्चों की शादीयों में आर्थिक मदद

मुंबई। उत्तर भारतीय संघ, मुंबई की 76वीं वार्षिक साधारण सभा में अध्यक्ष संतोष आरएन सिंह ने सामाजिक सरोकारों से जुड़े कई महत्वपूर्ण फैसलों की घोषणा की। उन्होंने बताया कि पालघर जिले में उत्तर भारतीय संघ भवन का निर्माण करारया जाएगा। संघ द्वारा संचालित शिक्षण संस्थानों में सभी जाति-वर्गों के 50 छात्रों को निःशुल्क प्रवेश दिया जाएगा। इसके अलावा, हर वर्ष आर्थिक रूप से कमजोर 10 परिवारों के बेटे-बेटियों के विवाह में आर्थिक सहायता की जाएगी। सामाजिक क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाली तीन हस्तियों को भी प्रतिबंध सम्मानित किया जाएगा।

रविवार को बांद्रा पूर्व स्थित उत्तर भारतीय संघ भवन के बाबू सत्यनारायण सिंह सभाघार में आयोजित सभा की अध्यक्षता करते हुए संतोष आरएन सिंह ने कहा कि किसी भी सामाजिक संस्था के लिए वार्षिक साधारण सभा सबसे महत्वपूर्ण

## नवरात्रि उत्सव के दौरान किसानों की मदद के लिए मंत्री प्रताप सरनाईक की अपील



मीरा-भायंदर (उत्तरशक्ति)। नवरात्रि उत्सव के बीच महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री एवं धाराशिव जिले के पालक मंत्री प्रताप इंदिराबाई बाबुराव सरनाईक ने सूखा प्रभावित किसानों की सहायता के लिए सामाजिक सहभागिता बढ़ाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि नवरात्रि आस्था और उत्साह का पर्व है, लेकिन इस अवसर पर समाज को उन किसानों के प्रति भी संवेदनशीलता दिखानी चाहिए, जो लोगों तक अन्न पहुंचाने का काम करते हैं और वर्तमान परिस्थितियों में संकट का सामना कर रहे हैं। मंत्री सरनाईक ने कहा कि महाराष्ट्र के 265 तालुकों में सूखे जैसी स्थिति घोषित किए जाने की पृष्ठभूमि में राज्य सरकार की ओर से

प्रभावित क्षेत्रों के लिए विभिन्न उपाय किए जा रहे हैं। ऐसे समय में सामाजिक संस्थाओं, नवरात्रि मंडलों और नागरिकों को भी अपनी सामाजिक जिम्मेदारी निभाने की आवश्यकता है। उन्होंने मीरा-भायंदर शहर के विभिन्न नवरात्रि मंडलों से विशेष अपील करते हुए कहा कि उत्सव के साथ सामाजिक उपक्रमों को भी जोड़ा जाए और सूखा प्रभावित किसानों की मदद के लिए नागरिकों को सहभागी बनाया जाए। मुख्यमंत्री राहत कोष में दान की अपील मंत्री सरनाईक के अनुसार, प्रताप सरनाईक फाउंडेशन और जीएम नवरात्रि के माध्यम से नवरात्रि उत्सव के दौरान दानदाताओं से मुख्यमंत्री राहत कोष में सहायता राशि देने की अपील की जाएगी। इसके साथ ही सूखा प्रभावित किसानों के लिए अनाज, कपड़े तथा अन्य आवश्यक वस्तुएं एकत्र करने के प्रयास भी किए जाएंगे। सरनाईक ने कहा कि किसान हमारे समाज के लिए अन्न उपलब्ध कराने वाला महत्वपूर्ण वर्ग है और

संकट की घड़ी में समाज को उनके साथ खड़ा होना चाहिए। उन्होंने नवरात्रि उत्सव को केवल धार्मिक आयोजन तक सीमित न रखते हुए सामाजिक प्रतिबद्धता से जोड़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, नवरात्रि आस्था और उत्साह का त्योहार है। इसे पूरे उत्साह के साथ मनाया जाना चाहिए, लेकिन यदि हमारे किसान और अन्नदाता किसी परेशानी में हैं, तो उनके प्रति संवेदनशीलता दिखाना भी हमारी जिम्मेदारी है। उत्सव के साथ सामाजिक जिम्मेदारी पर जोर सुखे की पृष्ठभूमि में मंत्री को इस अपील के बाद अब नवरात्रि मंडलों और दानदाताओं की ओर से सामाजिक सहायता के लिए किस प्रकार की पहल की जाती है, इस पर भी ध्यान रहेगा। मुख्यमंत्री राहत कोष के माध्यम से जरूरतमंदों और आपदा प्रभावित लोगों की सहायता के लिए आर्थिक योगदान दिया जा सकता है। मंत्री सरनाईक ने नागरिकों से अपील की कि नवरात्रि के उत्साह के साथ सामाजिक दायित्व को भी महत्व दें और अपनी क्षमता के अनुसार सूखा प्रभावित किसानों की सहायता में योगदान करें।

## भक्तों की सेवा में एक लाख वड़ापाव का वितरण, 110 जरूरतमंद विद्यार्थियों को 3.50 लाख के चेक

भिंवंडी। गणेशोत्सव के दौरान छत्रपति शिवाजी महाराज चौक पर दर्शन के लिए उमड़ाते वाले गणेश भक्तों की सेवा के उद्देश्य से परोपकारी संस्था की भिवंडी शाखा द्वारा एक लाख वड़ापाव का निःशुल्क वितरण किया गया। सिलको हाउस में आयोजित इस सेवा उपक्रम के दौरान जरूरतमंद विद्यार्थियों को शैक्षणिक फीस के लिए 3 लाख 50 हजार रुपये के चेक भी वितरित किए गए। परोपकारी संस्था द्वारा पिछले 16 वर्षों से गणेशोत्सव के दौरान यह सामाजिक उपक्रम आयोजित किया जा रहा है। संस्था की भिवंडी शाखा के अध्यक्ष मनोज दुधानी के नेतृत्व में राजू गाजगी, रमेश मुंदडा, ओम बिवाणी, गजानन लोहिया, मनोज बलदेवा, पवन बागड़ी तथा द्वारकादास असावा के सहयोग से इस वर्ष भी गणेश भक्तों के लिए वड़ापाव वितरण की व्यवस्था की गई। इस



अवसर पर आर्थिक रूप से कमजोर एवं जरूरतमंद 110 विद्यार्थियों को शैक्षणिक फीस के लिए कुल 3 लाख 50 हजार रुपये के चेक प्रदान किए गए। कार्यक्रम में स्थानीय प्रभाग समिति सभापति एडवोकेट वैभव मोहित तथा महाराष्ट्र एवं गोवा बार काउंसिल के सदस्य एडवोकेट हर्षल पाटील प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। संस्था के पदाधिकारी राजू गाजगी ने बताया

कि परोपकारी संस्था की ओर से मुंबई विभाग में भिवंडी के अलावा मीरा-भाईंदर, गिरगांव चौपाटी सहित विभिन्न स्थानों पर गणेश भक्तों के लिए कुल पांच लाख वड़ापाव का निःशुल्क वितरण किया गया। गणेशोत्सव के दौरान भक्तों की सेवा के साथ जरूरतमंद विद्यार्थियों की शैक्षणिक सहायता का यह उपक्रम संस्था द्वारा निरंतर चलाया जा रहा है।

## फाइंडेबिलिटी साइंसेज को 'बेस्ट यूज ऑफ एआई इन एग्रीकल्चर' का पुरस्कार



मुंबई। एप्लाइड एआई और डेटा लॉजिस्टिक्स के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर अग्रणी कंपनी, फाइंडेबिलिटी साइंसेज को 'ईटी एंटरप्राइज एआई अवॉर्ड्स 2026' के दूसरे संस्करण में 'बेस्ट यूज ऑफ एआई इन एग्रीकल्चर' श्रेणी में विजेता घोषित किया गया है। इस उपलब्धि के केंद्र में कंपनी का पेटेंट प्लेटफॉर्म और कार्यक्रमाली 'एआई फैक्ट्री फॉर एग्रीकल्चर' है। यह प्लेटफॉर्म खेतों और कारखानों से मिलने वाले असंगठित आंकड़ों (डेटा) को एक एकीकृत, बुद्धिमान ऑपरेटिंग सिस्टम में बदल देता है। इसका

उद्देश्य किसानों की आजीविका को मजबूत करना, फसल की पैदावार की रक्षा करना और बड़े पैमाने पर खराब सुखा का समर्थन करना है। पिछले बारह महीनों के दौरान, इसके उपयोग से खेतों और कारखानों के कामकाज में 20 से 40% तक पारदर्शिता बढ़ी है। इसके अलावा, प्रति सीजन सिंचाई में 10 से 30% और ऊर्जा व भाप (स्टील/प्रोसेसिंग) के उपयोग में 5 से 15% तक बचत की संभावना देखी गई है। कृषि कार्य के आकार और हस्तक्षेप के आधार पर, इससे प्रति सीजन अनुमानित 3.8 करोड़ रुपये से 18.9 करोड़ रुपये तक का वित्तीय लाभ हुआ है, साथ ही जल प्रबंधन और संसाधनों के कुशल उपयोग में भी सुधार देा दिया गया है। विभिन्न क्षेत्रों के 150 से अधिक उपयोगकर्ताओं को

## नित्याज जेम्स एंड ज्वेलरी लिमिटेड का आईपीओ 30 सितंबर 2026 को खुलेगा



मुंबई। भारत में लैब-ग्रीएन डायमंड जड़ित सोने के आभूषणों के डिजाइन, निर्माण और बिक्री के कारोबार में संलग्न नित्याज जेम्स एंड ज्वेलरी लिमिटेड बुधवार, 30 सितंबर 2026 को अपना निशियल पब्लिक ऑफरिंग (आईपीओ) खोलने जा रही है। कंपनी का लक्ष्य ऊपरी मूल्य बैंड पर रु. 108.42 करोड़ जुटाना है। कंपनी के शेयर एनएसई और बीएसई प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध होंगे। इस इश्यू में रु 5 अंकित मूल्य वाले कुल 1,44,56,000 इक्विटी शेयर शामिल हैं। इसके लिए मूल्य बैंड रु.

70 से रु.75 प्रति इक्विटी शेयर तय किया गया है। आईपीओ से प्राप्त शुद्ध राशि का उपयोग वर्किंग कैपिटल की आवश्यकताओं की पूर्ति और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा। एंकर बिडिंग मॉलवार, 29 सितंबर 2026 को होगी। इश्यू बुधवार, 30 सितंबर 2026 को खुलेगा और सोमवार, 5 अक्टूबर 2026 को बंद होगा। नित्याज जेम्स एंड ज्वेलरी लिमिटेड के चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर/जूनियर प्रेसिडेंट लुडोविग चॉंचड़ ने कहा, प्रस्तावित आईपीओ हमारी यात्रा में एक महत्वपूर्ण पड़ाव

है। हमने लैब-ग्रीएन डायमंड जड़ित सोने के आभूषणों के क्षेत्र में बी2 बी मैनुफैक्चरिंग और डिस्ट्रीब्यूशन के साथ-साथ डी2सी ओमनीचैनल रिटेल को समाहित करते हुए एक एकीकृत प्लेटफॉर्म तैयार किया है। नेट प्रोसिड्स का उपयोग वर्किंग कैपिटल की आवश्यकताओं के लिए करने का प्रस्ताव है, जिसका उद्देश्य हमारे परिचालन के विस्तार को समर्थन देना है। हम अपने ग्राहक आधार का विस्तार करने, डिजाइन-आधारित मैनुफैक्चरिंग क्षमताओं को मजबूत करने और विभिन्न सेक्टरों में अपनी उपस्थिति को और व्यापक बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। चॉइस कैपिटल एडवाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर, रविशंकर टिवडेवाल ने कहा, नित्याज जेम्स एंड ज्वेलरी लिमिटेड ने एकीकृत बी2बी और डी2सी मॉडल के तहत अपने परिचालन का विस्तार किया है। वित्त वर्ष 2026 में कंपनी ने रु. 2,028.94 मिलियन का परिचालन

से राजस्व, रु. 309.74 मिलियन का EBITDA और रु. 223.15 मिलियन का कर पश्चात लाभ (PAT) दर्ज किया, जबकि EBITDA मार्जिन 15.27% और PAT मार्जिन 11.00% रहा। फ्रेश इश्यू से प्राप्त राशि का मुख्य रूप से कंपनी की वर्किंग कैपिटल आवश्यकताओं को पूरा करने और मैनुफैक्चरिंग क्षमताओं को और मजबूत करने के लिए उपयोग करने का प्रस्ताव है। गुजरात के सूरत में कंपनी की मैनुफैक्चरिंग फैसिलिटी लगभग 7,000 वर्ग फुट क्षेत्र में फैली है और इसकी स्थापित उत्पादन क्षमता लगभग 360 किलोग्राम प्रति वर्ष है। कंपनी के परिचालन को इन-हाउस डिजाइन क्षमताओं और CAD/CAM-सक्षम टूल्स का समर्थन प्राप्त है। 31 अगस्त 2026 तक कंपनी के पास 32,000 से अधिक ज्वेलरी डिजाइनों का डिजाइन पोर्टफोलियो था।

रविवार को बांद्रा पूर्व स्थित उत्तर भारतीय संघ भवन के बाबू सत्यनारायण सिंह सभाघार में आयोजित सभा की अध्यक्षता करते हुए संतोष आरएन सिंह ने कहा कि किसी भी सामाजिक संस्था के लिए वार्षिक साधारण सभा सबसे महत्वपूर्ण



अवसर होती है। इस दौरान संस्था के पूरे वर्ष के कामकाज और आय-व्यय का लेखा-जोखा सदस्यों के समक्ष प्रस्तुत किया जाता है। उन्होंने कहा कि संघ के अध्यक्ष के रूप में उन्हें तीन वर्षों के बेटे-बेटियों के विवाह में आर्थिक सहायता की जाएगी। सामाजिक क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाली तीन हस्तियों को भी प्रतिबंध सम्मानित किया जाएगा।

रविवार को बांद्रा पूर्व स्थित उत्तर भारतीय संघ भवन के बाबू सत्यनारायण सिंह सभाघार में आयोजित सभा की अध्यक्षता करते हुए संतोष आरएन सिंह ने कहा कि किसी भी सामाजिक संस्था के लिए वार्षिक साधारण सभा सबसे महत्वपूर्ण

ताकि लोगों को सुविधा मिल सके। उन्होंने मेधावी छात्रों की उच्च शिक्षा के लिए अलग कोष बनाने का सुझाव भी दिया। उपाध्यक्ष रमेश बहादुर सिंह ने कहा कि संतोष आरएन सिंह के नेतृत्व में संघ बेहतर काम कर रहा है। पूर्व महामंत्री नंदलाल उपाध्याय ने संघ की ओर से किए जा रहे रचनात्मक कार्यों की सराहना की। कार्यकारिणी सदस्य और पत्रकार राजकुमार सिंह ने कहा कि बाबू आरएन सिंह के कार्यों और विचारों को आगे बढ़ाना सभी की जिम्मेदारी है। सभा की शुरुआत संघ के संस्थापक बकिराम तिवारी और बाबू आरएन सिंह की तस्वीरों पर पुष्पांजलि अर्पित कर हुई। महामंत्री देवेंद्र तिवारी ने संघ का वार्षिक वृत्तांत प्रस्तुत किया, जबकि कोषाध्यक्ष अजय कुमार सिंह ने आय-व्यय का ब्योरा रखा। अंत में देवेंद्र तिवारी ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में डॉ. किशोर सिंह, बीडी सिंह, गीता सॉन सिंह, सुरेंद्र निरी, अंतेश सिंह, रणु मल्लाह, विजय सिंह, आदित्य सिंह, शिवश्याम तिवारी, विशाल सिंह, ओमप्रकाश सिंह, चंद्रभान सिंह सहित बड़ी संख्या में सदस्यगण और समाज के लोग उपस्थित थे।